मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 26 जून 2025
संवत 2082, आषाढ़ कृष्ण 15 मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 292, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ कांग्रेस ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी
कुटिंग्स यूनिवर्स में दर्शकों को पसंद आएगी मेरी कहानी ◂◂ 6

वैश्विक अनिश्चितताएं बढ़ने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत : आरबीआई

नई दिल्ली : हाल ही में जारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक आर्थिक बुलेटिन के अनुसार, मई 2025 के लिए वैश्विक अनिश्चितता के बीच अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि ने 2024-25 के दौरान अधिकांश प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक आधार पर वृद्धि दर्ज की। घरेलू कीमतों की स्थिति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती के ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर स्थिति में है, जो व्यापार नीति अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों में वृद्धि के दोहरे झटकों से जूझ रही है। हालांकि, घरेलू मोर्चे पर, मई में जारी अनंतिम अनुमानों ने 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने की पुष्टि की है, जिसमें चौथी तिमाही में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि होगी।

मई के लिए अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि के संकेत देते हैं।

परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के लिए सर्वे किए गए देशों में भारत में गतिविधि में समग्र विस्तार सबसे अधिक रहा, जिसमें मई में देखे गए नए निर्यात ऑर्डर में विस्तार अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कॉन्ट्रैक्शन के बीच एक अपवाद था।

मई के लिए कुल मांग के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स ने भी ग्रामीण मांग में वृद्धि का सुझाव दिया। कंज्यूमर सेंटीमेंट के दूरदर्शी

सर्वेक्षण वर्तमान अवधि के लिए स्थिर उपभोक्ता विश्वास और भविष्य के बारे में बेहतर आशावाद दिखाते हैं।

आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद ये सभी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दिखाते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मुद्रास्फीति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे रही।

2024-25 के कृषि सत्र में रिकॉर्ड घरेलू फसल उत्पादन खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति में तेज और निरंतर कमी का संकेत दे रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, अस्थिर और ऊंचे सोने और चांदी की कीमतों के प्रभाव को छोड़कर कुछ नरमी के संकेतों के साथ स्थिर कोर मुद्रास्फीति यह दशार्ती है कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव शांत बना हुआ है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इकोनॉमिक आउटलुक, टैरिफ संबंधी समाचार और विकसित होते घरेलू परिदृश्य पर वैश्विक संकेतों के कारण उतार-चढ़ाव के बावजूद मई-जून के दौरान इक्विटी बाजारों में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के साथ ही इक्विटी बाजार में कुछ समय के लिए तेज गिरावट दर्ज की गई, लेकिन 20 जून को इसमें शानदार उछाल देखने को मिला।

आरबीआई बुलेटिन में आगे कहा गया है कि हालांकि अप्रैल में ऋण वृद्धि में कमी आई, खास तौर पर कृषि और सेवा क्षेत्रों में लेकिन गैर-बैंक ऋण स्त्रोतों, जिसमें बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) शामिल है, में लगातार अच्छी वृद्धि जारी रही, हालांकि मार्च से इसमें नरमी आई। कुल मिलाकर, वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती को प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए अनुकूल बनी रहीं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आयात और बाहरी ऋण के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के साथ बाहरी क्षेत्र में मजबूती बनी रही।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर आज पहुंचेंगे शुभांशु शुक्ला, पृथ्वी की कर रहे परिक्रमा

नई दिल्ली : भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने की दहलीज पर हैं। शुभांशु शुक्ला अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के तीन अन्य लोगों के साथ गुरुवार सुबह 7 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे) अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचेंगे।

लखनऊ में जन्मे शुक्ला की उड़ान फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए से सुबह 2:31 बजे ईडीटी (भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजे) पर फाल्कन 9 रॉकेट पर एक नए स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में लॉन्च हुई थी।

नासा ने एक अपडेट में बताया, ₹बुधवार को 2:31 बजे ईडीटी पर कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने के बाद स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पृथ्वी की परिक्रमा कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की ओर बढ़ रहा है, जिसमें एक्सिओम मिशन 4 के चालक दल के चार सदस्य हैं।₹ ड्रैगन में एक्स-4 कमांडर पैगी व्हिटसन, पायलट शुभांशु शुक्ला और मिशन विशेषज्ञ स्लावोज उज्नान्स्की-विज्निएव्स्की और टिबोर कपू सवार हैं। नासा ने कहा कि यह गुरुवार सुबह 7 बजे हार्मनी मॉड्यूल के अंतरिक्ष-सामने वाले पोर्ट पर डॉक करेगा। 41 साल बाद भारत का एक अंतरिक्ष यात्री फिर से अंतरिक्ष में है। शुक्ला 1984 में राकेश शर्मा की उड़ान के बाद अंतरिक्ष में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय होंगे।

आईएसएस जाते समय अपने संदेश में शुक्ला ने कहा, ₹नमस्ते, मेरे प्यारे देशवासियों। क्या सफर है। 41 साल बाद हम फिर से अंतरिक्ष में हैं। यह एक शानदार अनुभव है। हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। शुक्ला ने कहा, यह केवल मेरी यात्रा नहीं है। मैं अपने साथ भारतीय तिरंगा ले जा रहा हूं।

जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक : सीबीआई जांच मांग वाली याचिका पर हाईकोर्ट ने की सुनवाई

रांची : जेएसएससी-सीजीएल (कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा) पेपर लीक मामले की उइकजांच कराने की मांग को लेकर दायर याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को यह बताया गया कि उक्ळ इस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है. फिलहाल जांच जारी है. इसके बाद कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 16 जुलाई की तिथि निर्धारित की है. गुरुवार को अदालत ने रिजल्ट जारी करने पर लगी रोक के पूर्व के आदेश को (स्टे) को अगली सुनवाई तक जारी रखने का आदेश दिया है. राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन उनके सहयोगी अधिवक्ता पीयूष चित्रेश , जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजॉय पिपरवाल और प्रार्थियों की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने बहस की।

न्यूज IN ब्रीफ

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर भाजपा ने मनाया काला दिन

चतरा : भाजपा कार्यालय में बुधवार को आपातकाल की 50 वीं वर्ष होने भाजपाइयों ने काला दिन मनाया। वहीं विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू ने प्रेसवार्ता कर कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आज के दिन पूरा देश काला दिन मना रहा है। कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल लागू किया था। इस दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं, प्रेस की स्वतंत्रता और न्यायपालिका की निष्पक्षता को नुकसान पहुंचाया गया। विपक्ष के लालू प्रसाद यादव, राजनाथ सिंह, विश्वनाथ प्रताप सहित अन्य लोगों को जेलों में बंद कर दिया गया। कहा कि आपातकाल की पृष्ठभूमि में इंदिरा गांधी के चुनाव को लेकर विवाद था। मार्च 1971 के लोकसभा चुनाव में उनके विपक्षी उम्मीदवार राज नारायण ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनाव को चुनौती दी थी।उन पर भ्रष्ट आचरण और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप था। इसके पूर्व भाजपा कार्यालय परिसर में पौधरोपण किया। तत्पश्चात नेताओं ओं व कार्यकताओं के साथ बैठक किया। मौके पर सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास, जिलाध्यक्ष रामदेव सिंह भोगता, जिला महामंत्री मृत्युंजय सिंह, मिथलेश गुप्ता, उपाध्यक्ष सुजीत जायसवाल, नवीन शाह, मीडिया प्रभारी काली यादव सहित अन्य उपस्थित थे।

पुलिस ने नशा मुक्ति को लेकर चलाया जागरूकता अभियान, लोगों से सहयोग की अपील

चतरा : जिले के टंडवा पुलिस ने नशा मुक्ति को लेकर विशेष जागरूकता अभियान का शुरूआत किया है। यह अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी उमेश राम के नेतृत्व मे चलाया जा रहा है। अभियान के शुरूआती दिन बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के मिश्रौल बाजार,टंडवा बाजार, धनगड्डा चौक व सेरेनदाग बाजार मे अभियान चलाया। अभियान के दौरान सैंकड़ो लोगो को नशे के दुष्प्रभाव के बारे मे जानकारी देकर जागरूक करने के साथ नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई।इस दौरान थाना प्रभारी उमेश राम ने कहा कि नशे के जद में आकर आज की युवा पीढ़ी अपनी जिंदगी को तबाह कर ले रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति के इस अभियान में सहयोग कर पुलिस के इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

सीएसआर गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बैठक आयोजित

चतरा : उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) से संबंधित एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित कंपनियों, औद्योगिक इकाइयों एवं सीएसआर के तहत कार्य कर रही संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।बैठक में विभिन्न कंपनियों द्वारा अब तक किए गए सीएसआर कार्यों की समीक्षा की गई, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं आजीविका संवर्द्धन से संबंधित पहलें। उपायुक्त ने सभी कंपनियों को निर्देशित किया कि वे अपने सीएसआर फंड का समुचित उपयोग करते हुए जनहितकारी योजनाओं को प्राथमिकता दें।उन्होंने यह भी कहा कि सीएसआर गतिविधियों का प्रभाव स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर में सुधार के रूप में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होना चाहिए। इसके लिए एक सीएसआर जिला योजना तैयार की जा रही है, जिसमें प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को चिह्नित किया गया है।बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी सह सीएसआर नोडल पदाधिकारी तुषार रॉय, परियोजनाओं के प्रतिनिधि समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया था परिवार अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना का दिया अंजाम

चतरा : जिला मुख्यालय क्षेत्र के सदर थाना अंतर्गत बिंड मोहल्ला सोनार टोली में अज्ञात चोरों ने देर रात्रि चोरी की घटना को अंजाम दिया। बताया जाता है कि पूरा परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए रामगढ़ गया था और इसी मौके का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर हाथ साफ कर लिया। इसकी जानकारी जब आस पड़ोस के लोगों ने घर के मालिक को दी। जब वे शादी समारोह से वापस लौटकर जब घर आए तो देखा कि घर का मुख्य दरवाजा खुला पड़ा है। सभी सामान बिखरे पड़े हैं और लाखों रुपए के जेवरात सहित नगद रुपए गायब हैं। इस संदर्भ में पीड़ित मोहम्मद रहमतुल्लाह ने जानकारी दी कि अज्ञात चोरों के द्वारा लगभग साढे तीन लाख रुपए के जेवरात सहित नगद की चोरी की गई है। घर पहुंचने के बाद उन्होंने इसकी जानकारी सदर थाना पुलिस को दी। सूचना पाकर सदर थाना पुलिस ने बिंद मोहल्ला सोनार टोली स्थित घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले का जांच किया है। इधर पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से मांग किया है।

खूंटी-तोरपा मार्ग पर पुल ध्वस्त होने से जाम और परेशानियां, स्थानीय युवाओं ने की मदद

संवाददाता

खूंटी : जिले के तोरपा मार्ग पर स्थित पेलौल पुल के ध्वस्त होने के बाद वैकल्पिक मार्ग अंगराबारी-जुरदाग-कुंजला पर भारी जाम की स्थिति बनी रही। सुबह से शाम तक सैकड़ों वाहन फंसे रहे, जिससे बड़े वाहनों के साथ-साथ स्थानीय ऑटो, बाइक चालकों और पैदल यात्रियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने स्वयं जेसीबी मंगवाकर कीचड़ में फंसे वाहनों को निकालने का प्रयास किया। देर शाम हाईड्रा की मदद से एक लोहे से लदे ट्रक को निकाला गया, लेकिन इससे पहले उसके सारे लोहे के ऐंगल उतारने पड़े।

स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने बताया कि इस संकट के दौरान प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं मिली। वहीं, स्थानीय युवाओं ने वाहन चालकों की मदद करके स्थिति को संभालने का प्रयास किया। युवाओं ने सुझाव दिया कि प्रशासन को इस मार्ग पर पुलिसकर्मियों को तैनात करके वन-वे सिस्टम लागू करना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या न हो।

जुरदाग-कुंजला रोड पर जाम के कारण कई यात्री बसें और ट्रक खूंटी-कर्रा रोड के रास्ते बेलवादाग होते हुए कुंजला पहुँचे। इससे बेलवादाग और ईदरी के ग्रामीणों को भी परेशानी हुई। स्थानीय लोगों को डर है कि अगर रात में भी वाहन फंसे रहे, तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

अपनी मांगों को लेकर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

संवाददाता

बासुकीनाथ : जरमुंडी प्रखंड के पहरीडीह पंचायत के गांव जमुवा नवाडीह में राष्ट्रीय राजमार्ग 114अके सामने अपनी मांगों को लेकर ग्रामीणों ने बुधवार को सड़क जाम कर दिया. उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 40 लोगों का जमीन पानी में डूबा हुआ है। और 10-15 खेतों में फसल धान का बीज भी है। और कल से ही सभी खेतों में पानी जम गया है। और कुछ लोगों का घर भी डूबने के कगार पर हैं। उपस्थित ग्रामीणों का आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 114अ बनाने वाले संवेदक को कई बार बोला गया और स्थानीय विधायक ने भी संवेदक को इसकी सूचना दी थी। लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं होने के कारण आज पानी जमा हुआ है। लोगो को आने जाने में काफी परेशानी हो रही है। यह सड़क काफी व्यस्त सड़क है. श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं को भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा । मौके पर जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक देवेंद्र कुंवर के प्रतिनिधि मिथिलेश कुमार एवं जरमुंडी थाना प्रभारी श्यामानंद मंडल ने पहुंचकर ग्रामीणों को समझा बूझाकर सड़क जाम को हटवाया. साथ ही कंपनी के प्रतिनिधियों ने उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष समस्याओं का जल्द समाधान करने की बात कही।

मौके पर मुखिया पार्वती देवी,उप मुखिया मुकेश यादव, ग्राम प्रधान वार्ड पार्षद एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

उपायुक्त ने किया प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बुधवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय जामा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आवास योजना, पंचायत के विकास कार्यों, आंगनवाड़ी, दीदी की दुकान, मनरेगा के कार्यों की जानकारी लेने के बाद अन्य जरूरी अभिलेख की जांच की। इस दौरान जनकल्याणकारी योजना को सुचारू रूप से करने का निर्देश दिया। कहा कि क्षेत्र के लोगों का कार्य समय पर हो। प्रखंड परिसर में पानी, बिजली, शौचालय एवं साफ-सफाई पर भी ध्यान देने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आमजनों से मिलकर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया कि एक हेल्प डेस्क बनाए जिसमें मईया सम्मान योजना सहित अन्य योजनाएं संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा सके। सूचना पट पर जानकारी प्रेषित करें कि किस कारणों से मईया सम्मान योजना की राशि रुक सकती है और उसके समाधान के लिए क्या करना है।

प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, जामा का निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने शैक्षणिक व्यवस्था, भोजन, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी, स्वच्छता और सुरक्षा की जानकारी ली। इस क्रम में उन्होंने कक्षा नौ एवं दस की छात्राओं से मिले। उनसे उन्हें मिलने वाली सुविधा जैसे आवासन, भोजन, शिक्षक की उपलब्धता, साइंस लैब, करियर काउंसलिंग, आयरन टैबलेट, किताबें आदि की जानकारी ली। जिसमें संतोषजनक जवाब प्राप्त हुए। उपायुक्त ने संबंधित को कहा कि बच्चों का करियर काउंसलिंग कराए। लैब को बड़े कमरे में शिफ्ट करें। खेलने वाले मैदान की सफाई करें। झूला की मरम्मती करे। हॉकी के लिए मैदान तैयार कराए। चिकित्सक की नियमित विजिट कराए। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जामा सहित अन्य उपस्थित थे।

बी. एड. सेमेस्टर वन का परीक्षा परिणाम घोषित

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका द्वारा बी.एड. सेमेस्टर-1 परीक्षा 2024, सत्र 2024-26 का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया गया है। जिसमें कुल 1725 परीक्षार्थियों में से 99.19 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं।परीक्षा नियंत्रक डॉ. जयकुमार साह ने बताया कि रिजल्ट विवि का आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गयी है छात्र देख सकतें हैं।

1962 पर कॉल कर मोबाइल वेटनरी वैन की सुविधा लें : जिला पशुपालन पदाधिकारी

दुमका : जिला पशुपालन पदाधिकारी,दुमका डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने जानकारी दी है कि जिले में कुल 11 मोबाइल वेटनरी वैन उपलब्ध हैं। इनमें से प्रत्येक प्रखंड में 1-1 वैन तथा जिला मुख्यालय में 2 वैन तैनात की गई हैं, जिससे पशुपालकों को त्वरित पशु-चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके।

डॉ. सिंह ने बताया कि यदि कोई पशु बीमार हो जाए या किसी दुर्घटना में घायल हो, तो टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल करके सहायता प्राप्त की जा सकती है। कॉल करने पर संबंधित प्रखंड की वैन डॉक्टर एवं आवश्यक दवाइयों के साथ न्यूनतम समय में पशुपालक के स्थान पर पहुंचेगी। यह सुविधा पशुओं के जीवन की रक्षा एवं पशुपालकों की सहायता के उद्देश्य से संचालित की जा रही है, ताकि समय पर इलाज मिल सके और पशुधन की हानि को रोका जा सके।

मूसलाधार बारिश में दीवार के नीचे दब जाने से महिला की मौत

चतरा : जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के नई पारम गांव में मंगलवार को दीवार के नीचे दब जाने से एक महिला की मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान झिलिया देवी के रूप में की गई है।घटना की जानकारी मिलते ही टंडवा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेते हुवे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया है।वहीं मामले की दूरभाष पर जानकारी देते हुए टंडवा के अंचल अधिकारी विजय कुमार दास ने बताया कि मंगलवार की दोपहर करीब 11:30 से 12 बजे के दौरान मूसलाधार बारिश हो रही थी। झिलिया देवी का कच्चा मकान बारिश के कारण गिर गया था। गिरे हुए घर का महिला खपड़ा उठा रही थी। इसी दौरान घर की दीवार झिलिया देवी के उपर गिर गई। उन्होंने बताया कि मिट्टी के दीवार के नीचे दब जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंचल अधिकारी श्री दास ने बताया कि जांच के उपरांत आपदा राहत कोष के तहत मृतक के परिजन को 4 लाख रु की मुआवजा राशि दी जाएगी।

खूंटी में युवा कांग्रेस की चुनावी तैयारियां शुरू, 27 जून से नामांकन प्रक्रिया

खूंटी : खूंटी जिला कांग्रेस अध्यक्ष अरुण संगा की अध्यक्षता में आज खूंटी परिषद कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें आगामी युवा कांग्रेस चुनावों को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं। इस मौके पर जिला डीआरओ पुष्कर ने घोषणा की कि 27 जून के बाद युवा कांग्रेस के चुनावी नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी।

युवाओं को राष्ट्रीय मंच मिलेगाः प्रदेश उपाध्यक्ष वेद प्रकाश मिश्रा ने कहा कि युवा कांग्रेस ग्रामीण युवाओं को सड़क से सदन तक का सफर तय करने का अवसर देती है।

जिला अध्यक्षा अरुण संगा ने युवाओं से चुनाव में बड़ी संख्या में भाग लेकर पार्टी को मजबूत करने की अपील की।

नामांकन के बाद युवा कांग्रेस जिला एवं प्रखंड स्तर पर जोरदार प्रचार अभियान चलाया जाएगा।

पार्टी का लक्ष्य युवाओं की ऊर्जा को राष्ट्रीय नेतृत्व से जोड़ना है। इस आयोजन के माध्यम से युवा कांग्रेस ने खूंटी जिले में चुनावी माहौल को गर्मा दिया है। अब सभी की निगाहें 27 जून के बाद शुरू होने वाली नामांकन प्रक्रिया पर टिकी हैं।

इस पूरे कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष बहा, शिबलु, खूंटी प्रखंड अध्यक्ष अनमोल, मुरहु प्रखंड अध्यक्ष नौशाद, युवा नेता बसंत, शकील समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जर्जर भवन में चल रहा राजकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय मारंगी

बच्चे जर्जर भवन में बैठने को मजबूर,कभी भी घट सकती है बड़ी दुर्घटना

गिद्धौर(चतरा) : प्रखंड के राजकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय मारंगी का संचालन जर्जर भवन में किया जा रहा है।भवन का छत जहां तहां टूट कर गिर रहा है। वही फर्श व दीवार सहित पूरा भवन काफी जर्जर हो गया है। कभी भी बड़ी दुर्घटना से इनका नहीं किया जा सकता।बुधवार को शिक्षक व अभिभावकों के साथ बैठक किया जा रहा है था कि अचानक छत से बड़ा टुकड़ा गिरा और उपस्थित लोग बाल बाल बच गए। बताया जाता है कि विद्यालय में 199 बच्चे अध्ययनरत हैं। जबकि इस विद्यालय में कुल 7 कमरे हैं।जिसमें चार कमरे अत्यंत जर्जर है। जर्जर भवन होने की सूचना विद्यालय के सचिव मनोज कुमार द्वारा विभाग के कनीय अभियंता के साथ साथ विभाग के वरीय पदाधिकारी को पूर्व में दिया गया है।जिसके पश्चात विभाग के अधिकारियों ने कमरे को मरम्मत कराने का आश्वासन दिया था।परंतु जर्जर भवन की न तो मरम्मत कराई गई और ना ही नवनिर्माण किया गया। वैसे में बच्चों को भवन में बैठने में काफी भय बना रहता है।फिलहाल विद्यालय के बच्चों को जर्जर भवन के कमरे मे ही बिठाकर पढ़ाया जा रहा है। जबकि इस विद्यालय में पहला क्लास से आठवीं कक्षा तक के बच्चे पढ़ते है।विद्यालय सचिव के साथ-साथ ग्रामीणों ने सांसद,विधायक एवं उपायुक्त से जल्द नए भवन निर्माण की मांग किया है।मौके पर किशना उरांव, कुंती देवी, संगीता देवी,सुमन देवी, पूनम देवी,सरोज देवी सहित विद्यालय के शिक्षक व अभिभावक मौजूद थे।

ट्रक ऑनर संघ ने अवैध वसूली से किया इंकार, ट्रक मालिकों ने की बैठक

चतरा : जिले के कोयलांचल टंडवा थाना क्षेत्र में विस्थापित प्रभावित ट्रक मालिक संघ ने आम्रपाली कोल परियोजना के गेट न एक पर अवैध वसूली का खंडन किया है। ट्रक ऑनर एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष प्रह्लाद सिंह की अध्यक्षता में ट्रक मालिकों ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। आशुतोष मिश्रा ने बैठक का संचालन किया। बैठक में उपस्थित पूर्व अध्यक्ष प्रह्लाद सिंह ने अवैध वसूली से संबंधित वायरल वीडियो का खंडन करते हुए कहा कि आम्रपाली कोल परियोजना में ट्रकों का परिचालन को अच्छे ढंग से सुनिश्चित करने, ट्रकों की सुरक्षा और ट्रकों को लाइनिंग करने को लेकर 96 मजदूरों की नियुक्ति की गई है। यह मजदूर तीन शिफ्टों में समय समय पर ट्रकों की सुरक्षा का ख्याल रखते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रक मालिकों ने मजदूरी के रूप में प्रति ट्रक 500 रु देने की सहमति बनाई है। कहा कि वायरल वीडियो में अवैध वसूली का जो आरोप लगाया गया है,वह पूरी तरह से बेबुनियाद है। वहीं आशुतोष मिश्रा ने कहा कि आज की बैठक में दो से ढाई सौ ट्रक मालिक मौजूद हैं। सभी ने एक स्वर में वॉलेंटियर(मजदूरों) के भुगतान के लिए प्रति ट्रक 500 रु देने पर सहमति बनाई है। इसमें किसी भी अन्य चर्चा की गुंजाइश ही नहीं है। बैठक में वायरल वीडियो के माध्यम से भ्रामक खबर को खारिज करते हुए कई अन्य प्रस्ताव भी पारित किए गए।

अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर रांची में जागरूकता मैराथन का आयोजन

नशा मुक्त झारखंड की ओर एक कदम : मंत्री सुदिव्य

संवाददाता

रांची : हर साल 26 जून को पूरी दुनिया में नशा उन्मूलन दिवस यानी अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस मनाया जाता है. इस अवसर पर झारखंड सरकार ने रांची के मोरहाबादी मैदान से से अल्बर्ट एक्का चौक तक भव्य जागरूकता मैराथन का आयोजन किया. इसका उद्देश्य राज्य को नशा मुक्त बनाने की दिशा में जनभागीदारी को बढ़ावा देना और युवाओं को खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना है. इस जागरूकता अभियान में बड़ी संख्या में छात्रों, सामाजिक कार्यकताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों ने भाग लिया।

मौके पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि यह आयोजन सिर्फ दौड़ नहीं है, बल्कि नशे के खिलाफ एक जन आंदोलन है. मुझे पूरा विश्वास है कि जिला प्रशासन, समाज और युवाओं के सहयोग से हम झारखंड को नशा मुक्त बनाने की दिशा में सार्थक पहल करेंगे. यह प्रयास युवाओं को खेलों के माध्यम से एक रचनात्मक राह दिखाने का भी माध्यम है। झारखंड को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ कार्यरक्रम का समापन कार्यक्रम में गृह, जेल एवं आपदा प्रबंधन विभाग की सचिव वंदना दादेल ने जानकारी दी कि पिछले कुछ दिनों से राज्य भर में मादक पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि हमने करीब 3 हजार स्कूलों, कॉलेजों और गांवों में घर-घर जाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया है. कहा कि . झारखंड को नशा मुक्त बनाने के संकल्प के साथ आज इसका समापन समारोह है।

नशा मुक्त भारत को लेकर साइकिल रैली निकाली गई

रांची : नशामुक्त भारत पखवाड़ा एवं नशीली दावाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस -26 जून पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो रांची जोनल यूनिट के अधिकारियों एवं कार्मिकों द्वारा रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी रांची के छात्र-छात्राओं के साथ मिलकर लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मोराबादी के ऑक्सीजन पार्क से आज सुबह साइकिल रैली निकाला गया जो मोराबादी क्षेत्र से होते हुए रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय तक पहुँची। एनसीबी रांची आम जनों एवं विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं और संगठनो के साथ मिलकर एक युद्ध नशा के विरुद्ध लड़ रही है।

अंतर विद्यालय वाद - विवाद प्रतियोगिता

संवाददाता

रांची : आमी पब्लिक स्कूल रांची के केरकेट्टा सभागार में दिनांक 25. 6.2025 को अंतर विद्यालय वाद - विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता में रांची के सात स्कूलों ने भाग लिया । इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि विद्यालय के चेयरमैन ब्रिगेडियर राज कुमार एस०एम० थे। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में प्रोफेसर डॉक्टर नीलिमा पाठक (डीन, सरला बिरला विश्वविद्यालय) डॉक्टर दिवाकर दुबे (लेखक, कवि और समाज सेवक) और

डॉक्टर प्रेम प्रकाश आर्य (एमिटी लॉ विश्वविद्यालय) उपस्थित थे। इसके साथ ही विद्यालय के प्राचार्य श्री अभय कुमार सिंह उपस्थित थे` इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आमी पब्लिक स्कूल रांची, द्वितीय स्थान पर सुरेंद्रनाथ सेंटेनरी स्कूल और तृतीय स्थान पर दिल्ली पब्लिक स्कूल , धुर्वा रहे। सर्वश्रेष्ठ वक्ता पक्ष शय श्रीवास्तव, विपक्ष आकाश सिंह तथा प्रश्नकर्ता आद्या को चुना गया । विजेताओं को ट्रॉफी एवम प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

नैरोबी में प्रवासी भारतीयों के साथ संजय सेठ ने किया संवाद

रांची : केन्या प्रवास के दौरान नैरोबी में प्रवासी भारतीयों के साथ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने संवाद किया। श्री सेठ ने दुनिया भर में रह रहे भारतवंशियों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश को इनके साथ साझा किया। आतंकवाद को लेकर भारत के जीरो टॉलरेंस की स्पष्ट नीति और अटूट प्रतिबद्धता से इन्हें अवगत कराया। प्रधानमंत्री के नए भारत के लक्ष्य और दृष्टिकोण को रेखांकित किया और भारत की परिवर्तनकारी विकास यात्रा और उपलब्धियों से इन्हें अवगत कराया। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और इसके उभरते वैश्विक नेतृत्व पर प्रकाश डाला। विकसित भारत 2047 सिर्फ भारत का नहीं, बल्कि दुनियाभर में रह रहे हर भारतीय का संकल्प है। इस संकल्प को साकार करने के लिए इनसे भी सहयोग का आग्रह किया। कार्यक्रम में प्रवासी भारतीयों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से यह स्पष्ट दिखा कि भारत से इनका जुड़ाव और जड़ें, दोनों ही भावनात्मक रूप से मजबूत हैं।

छात्र क्लब ग्रुप ने मंदिर में डस्टबीन डोनेट की

रांची : मंदिर के निकट हमेशा स्वच्छ वातावरण बनी रहे इसे ध्यान मे रखते हुए छात्र क्लब ग्रुप की ओर से जगतपॉल स्ट्रीट सिविल कोर्ट रांची स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में दो डस्टबीन डोनट किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन संतोष कुमार श्रेयांश ने किया।मौके पर संतोष कुमार श्रेयांश ने कहा स्वच्छता हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है जो हमें स्वस्थ और खुशहाल रखती है।स्वच्छता से न केवल बीमारियों से बचाव होता है बल्कि सकारात्मक सोच और अच्छे विचार भी आते हैं।हमें अपने घर,आसपास और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना चाहिए।स्वच्छता को अपनाकर हम एक स्वस्थ और सुंदर समाज का निर्माण कर सकते हैं। इसके पूर्व मंदिर के पुजारी अखिलेश उपाध्याय ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराई। सबों के बीच प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम की समापन हुई। इस मौके पर छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,वरीय संरक्षक विजय कुमार पाठक,दीपक कुमार साहू,पिया बर्मन,रोहित कुमार,अभी सोनी,अभिषेक कुमार, लीगल एडवाइजर अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,सुबोध कुमार शर्मा,रवींद्र कुमार शर्मा सहित अन्य सदस्यगण मौजूद थे।

जेपी के आह्वान से भयभीत इंदिरा गांधी ने लगाया था आपातकाल : कर्मवीर सिंह

रांची : भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने बुधवार को संविधान हत्या दिवस पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण को याद किया। प्रदेश कार्यालय में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। सिंह ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से इंदिरा गांधी की सांसद के रूप में सदस्यता समाप्त हो चुकी थी। उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए था। लेकिन, इंदिरा गांधी ने न सिर्फ न्यायालय के आदेश की अवमानना की, बल्कि देश के संविधान को ही कुचल डाला। कर्मवीर सिंह ने कहा कि 25 जून को दिल्ली के रामलीला मैदान में देश भर से जुटे लाखों लोकतंत्र सेनानियों को संबोधित करते हुए जेपी ने आह्वान किया था कि सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। लेकिन, आधी रात को देश में एक काले अध्याय की शुरूआत हुई। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री ने कहा कि आज संविधान बचाने की दुहाई देने वाली कांग्रेस ने लोकतंत्र की सारी मयार्दाओं को तार-तार किया है। देश को याद है कि 25 जून 1975 को दिल्ली में ही ऐतिहासिक सभा के बाद 21 महीनों तक देश की जुबान को आपातकाल के माध्यम से कुचल दिया गया था। कोई राजनीतिक सभा इस दौरान नहीं हो सकती थी। कर्मवीर सिंह ने कहा कि भारत की जनता प्राचीन काल से लोकतंत्र प्रेमी है।

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने उपायुक्तों के साथ की समीक्षा, कहा

जल जीवन मिशन की सफलता में सभी डीसी लीडरशिप दें

संवाददाता

रांची : हर घर नल से जल को लेकर चल रहे जल जीवन मिशन की झारखंड में वर्तमान स्थिति को लेकर मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में बुधवार को समीक्षा हुई। समीक्षा के दौरान मिशन के आड़े आ रही समस्याओं का समाधान निकालने की कोशिश की गई। वर्चुवल माध्यम से जुड़े तमाम जिले के उपायुक्तों को मुख्य सचिव ने मिशन के सुचारू क्रियान्वयन में लीडरशिप देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मिशन के कार्यों में समन्वय स्थापित करने के लिए सक्रिय सहभागिता निभाएं। इसकी नियमित समीक्षा करें। इलाके के मुखिया के साथ नियमित अंतराल पर बैठक करें। इससे इलाके की अच्छी जमीनी जानकारी मिलेगी। इस फीडबैक का उचित उपयोग करें। उन्होंने कहा कि अधूरा कार्य और पूरा भुगतान का मामला सामने आने पर उसे गंभीरता से लें। उसकी जांच कराएं और समुचित कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मिशन की देखरेख के लिए हर जिले में होंगे दो इंजीनियर : उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिया कि वे जब भी किसी काम से फील्ड में जाएं, तो वहां के जल जीवन मिशन के कार्यों को जरूर देखें। उसका आकलन करें और जरूरत पड़ने पर मौके पर ही समस्या का समाधान करें। जल जीवन मिशन की सफलता के लिए सभी उपायुक्तों को दो कमिटेड इंजीनियर दिये जा रहे हैं। वे उपायुक्तों के अधीन कार्य करेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि उनका टेक्निकल सेल बना कर पूरा काम लें। रोज उन्हें काम सौंपे और उसकी रिपोर्ट लें।

एजेंसी के जिम्मे है पांच साल तक रख-रखाव का जिम्मा : मुख्य सचिव ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कार्यकारी एजेंसी को पांच साल तक रख-रखाव की जिम्मेदारी तय है। इस कारण छोटी-मोटी समस्या के समाधान में देरी नहीं होनी चाहिये। जो एजेंसी इसमें विफल रहती है, उसके खिलाफ प्रस्ताव दें, उसका निराकरण मुख्यालय स्तर से यथाशीघ्र होगा। वहीं निर्देश दिया कि प्रशासनिक स्तर की बाधा को उपायुक्त प्राथमिकता के स्तर पर अपनी लीडरशिप में दूर कराएं। इसके अलावा उपायुक्तों को जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को पूरा कराने, पूरी हो चुकी योजना को ग्राम समिति को सुपुर्द करने का निर्देश दिया।

2028 तक सभी घरों में नल से जल पहुंचाना है : बताते चलें की 15 अगस्त 2019 को सभी ग्रामीण घरों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन की शुरूआत हुई थी। दिसंबर 2028 तक इस योजना के तहत कार्य संपन्न करना है। इसके तहत अब तक झारखंड में 97,535 योजनाएं ली गई हैं। उनमें से 56,332 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं।

कांग्रेस की सत्ता की भूख का परिणाम था देश में आपातकाल : सुदेश महतो

रांची : आपातकाल के 50 वर्ष होने पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा है कि आपातकाल कांग्रेस की सत्ता की भूख का परिणाम था। 25 जून 1975 को भारत के इतिहास में एक काला अध्याय लिखा गया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू कर लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को कुचल दिया। आज जब राहुल गांधी संविधान बचाओ की बात करते हैं तो यह हास्यास्पद लगता है। श्री महतो ने कहा कि आपातकाल वह दौर था जब नागरिकों के मौलिक अधिकारों को छीन लिया गया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ताला लगा दिया गया और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर किया गया। सुदेश महतो ने इस घटना को भारतीय लोकतंत्र पर एक गहरा आघात बताया, जिसने देश की जनता को मजबूर और असहाय बना दिया। श्री महतो ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने अपनी शक्ति को बनाए रखने के लिए लोकतंत्र की आत्मा को दबाने का प्रयास किया। प्रेस पर सेंसरशिप, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और संवैधानिक अधिकारों का हनन उस दौर की सबसे दुखद तस्वीर थी। उन्होंने कहा कि यह समय हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र कितना नाजुक हो सकता है, और इसे संरक्षित करने के लिए हमें सतर्क और संगठित रहना होगा।

झारखंड में भी लोकतंत्र की रक्षा की आवश्यकता : डॉ भगत मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि आपातकाल ने देश के युवाओं और सामान्य नागरिकों को यह सिखाया कि सत्ता का दुरुपयोग कितना खतरनाक हो सकता है। झारखंड जैसे राज्य, जहां लोग अपनी पहचान और अधिकारों के लिए लंबे समय से संघर्ष करते रहे हैं, वहां लोकतंत्र की रक्षा करना और भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आपातकाल के दौरान जेल में बंद उन नेताओं और कार्यकताओं को याद किया, जिन्होंने लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष किया।

जेपी आंदोलन ने संघर्ष के लिए प्रेरित किया : प्रभाकर झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि 1975 की थोड़ी बहुत यादें उनके जेहन में हैं, क्योंकि वह उस वक्त 7 वर्ष के थे और दुमका में आंदोलनकारियों का जुलूस निकलता देख प्रेरित होते थे। आपातकाल में उनके पिता को दुमका और मामा को रांची में बिना कारण गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने वर्तमान संदर्भ में आपातकाल से सीख लेकर लोकतंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज भी कई बार झारखंड में भी सत्ता पक्ष द्वारा जनता की आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है।

रांची के जगन्नाथ रथ यात्रा पर विशेष

रांची में जगन्नाथ रथ यात्रा धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक समृद्धि, और सामाजिक एकता का अनूठा संगम है

विजय शंकर नायक

रांची का जगन्नाथ रथ यात्रा एक ऐसा धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव है, जो न केवल आध्यात्मिक महत्व रखता है, बल्कि झारखंड की समृद्ध परंपराओं और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। यह यात्रा पुरी के प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा की तर्ज पर आयोजित की जाती है और रांची के जगन्नाथपुर मंदिर से शुरू होती है। इस लेख में हम रांची की जगन्नाथ रथ यात्रा के अनछुए पहलुओं को विस्तार से जानेंगे, जिसमें इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सामाजिक समावेशिता, सांस्कृतिक महत्व, और कुछ अनदेखे तथ्यों को शामिल किया जाएगा।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : रांची का जगन्नाथ मंदिर, जिसे 1691 में नागवंशी राजा ठाकुर एनी नाथ शाहदेव ने बनवाया था, पुरी के जगन्नाथ मंदिर की छोटी प्रतिकृति के रूप में स्थापित किया गया था। यह मंदिर लगभग 80-90 मीटर ऊंची एक छोटी पहाड़ी पर स्थित है, जिससे रांची शहर का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। मंदिर की स्थापना के साथ ही रथ यात्रा की परंपरा शुरू हुई, यह मंदिर रांची के अलबर्ट एक्का चौक से लगभग 10 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर स्थित है और 328 साल से भी अधिक समय से आस्था का केंद्र रहा है। इस मंदिर की रथ यात्रा की परंपरा भी उतनी ही प्राचीन है, जो पिछले तीन शताब्दियों से निरंतर चली आ रही है। रथ यात्रा का आयोजन हर साल आषाढ़ मास (जून-जुलाई) में होता है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा के विग्रहों को रथों पर सजाकर मंदिर से मौसीबाड़ी तक ले जाया जाता है। यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है, जिसमें भक्त रथ खींचते हैं और भगवान के दर्शन के लिए उमड़ पड़ते हैं।

अनछुए पह परंपराएं और सामाजिक समावेशिता :

रांची की रथ यात्रा की सबसे खास बात इसका सर्वधर्म समभाव है। ठाकुर एनी नाथ शाहदेव ने इस उत्सव को सभी जातियों और धर्मों के लोगों को जोड़ने का माध्यम बनाया था। यह परंपरा आज भी जीवित है, और यात्रा में विभिन्न समुदायों का योगदान देखने को मिलता है। कुछ अनछुए पहलू इस प्रकार हैं:

सर्वधर्म सहभागिताः ऐतिहासिक रूप से, रथ यात्रा में विभिन्न समुदायों की भागीदारी रही है। उदाहरण के लिए, घासी समुदाय फूलों की व्यवस्था करता था, उरांव समुदाय घंटियाँ प्रदान करता था, और मुस्लिम समुदाय मंदिर की पहरेदारी करता था। इसके अलावा, राजवर समुदाय रथ को सजाने में, कुम्हार मिट्टी के बर्तन देने में, और बढ़ई व लोहार रथ निर्माण में योगदान देते थे। यह सामाजिक एकता का अनूठा उदाहरण है, जो आज के समय में भी प्रासंगिक है।

ब्रिटिश काल में चुनौतियाँः 1857 की क्रांति के दौरान, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ विद्रोह किया था, जिसके परिणामस्वरूप मंदिर की 84 में से तीन गाँवों की जमीन ब्रिटिश सरकार ने जब्त कर ली थी। हालांकि, मंदिर के मुख्य पुजारी बैकुंठ नाथ तिवारी की अपील पर ब्रिटिश सरकार ने जगन्नाथपुर गाँव की 859 एकड़ जमीन मंदिर को वापस कर दी थी। वर्तमान में मंदिर के पास केवल 41 एकड़ जमीन बची है, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को दशार्ता है। महिलाओं की भूमिकाः रथ यात्रा में महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय है। जहाँ पुरी की रथ यात्रा में कुछ परंपराएँ पुरुष-प्रधान हैं, वहीं रांची में महिलाएँ भी रथ खींचने और पूजा-अर्चना में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं। यह समावेशी दृष्टिकोण इस उत्सव को और भी खास बनाता है।

सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व : रांची की रथ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। यह उत्सव स्थानीय कला, शिल्प, और परंपराओं को बढ़ावा देता है। रथ की जटिल नक्काशी और रंग-बिरंगे पत्थरों से सजा मंदिर वास्तुकला का अनूठा नमूना है।

रथ निमार्णः रथ का निर्माण स्थानीय कारीगरों द्वारा किया जाता है, जो लकड़ी और धातु का उपयोग करके इसे भव्य रूप देते हैं। रथ की सजावट में पारंपरिक चित्रकारी और शिल्पकारी की झलक देखने को मिलती है। संगीत और नृत्यः यात्रा के दौरान भक्ति भजनों, ढोल-नगाड़ों, और स्थानीय लोक नृत्यों का आयोजन होता है, जो उत्सव को और रंगीन बनाता है।

मौसीबाड़ी की परंपराः नौ दिनों तक भगवान जगन्नाथ मौसीबाड़ी में विराजमान रहते हैं, जो पुरी की परंपरा का अनुसरण करता है। इस दौरान भक्तों के बीच भोजन वितरण और सामुदायिक समारोह आयोजित किए जाते हैं।

रथ यात्रा का इतिहास : जगन्नाथ रथ यात्रा की परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है, और इसका उल्लेख स्कंद पुराण जैसे प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। रांची में इसकी शुरूआत नागवंशी राजाओं के शासनकाल में हुई। माना जाता है कि नागवंशी राजा भगवान जगन्नाथ के भक्त थे और उन्होंने पुरी के जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर रांची में इस मंदिर और रथ यात्रा की शुरूआत की।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा द्वारा)

ई-निविदा सं. 35255327 दिनांक: 18.06.25

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक सामान्य भण्डार डिपो उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **1.मद का नाम:** 1.डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, फेब्रिकेशन, सप्लाई, इंस्टॉलेशन एण्ड कमिशनिंग ऑफ कोच रूफ लीकेज टेस्टिंग प्लांट अलॉग विद शैड स्ट्रेक्चर एज पर ड्राइंग अटैच्ड एण्ड रिपेयर ऑफ एक्जिस्टिंग रूफ लीकेज टेस्टिंग प्लांट एट कैरिज वर्कशॉप जोधपुर एज पर अटैच्ड स्कोप ऑफ वर्क **2. कार्य की अनुमानित लागत:** रू 9970882/- (निन्यानवे लाख सत्तर हजार आठ सौ बयासी रूपये मात्र); **3. बयाना राशि:** रू 199420/- (एक लाख निन्यानवे हजार चार सौ बीस रूपये मात्र); **4 ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय:** 14.07.2025 14:25 से पहले. **ई-निविदा खोलने की दिनांक व समय:** 14.07.2025 14:25 के बाद. **5. वेबसाइट विवरण जहां से ई-निविदा सम्बन्धित पूर्ण विवरण प्राप्त किया जा सकता है: www.ireps.gov.in; 6. कार्यालय का पता जहां से निविदा जारी की गई है:** उपमुख्य सामग्री प्रबंधक कार्यालय सामान्य भण्डार डिपो उत्तर पश्चिम रेलवे जोधपुर 342001 (राजस्थान); **नोट:-** 1. यह ई-निविदा है इसमें किसी भी मैन्युअल प्रस्तावो की अनुमति नहीं है. और किसी भी तरह के मैनुअल निविदा को सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिया जायेगा। 2. निविदा दस्तावेज और बयाना राशि का भुगतान केवल आई.आर.ई.पी.एस. वेब साइट पर भुगतान गेटवे की सुविधा के माध्यम से ई-स्थानांतरण से ही करें। **744-AN/25**

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

कार्यालय- सिद्धो-कान्हो, कृषि एवं वनोपज जिला सहकारी संघ लि0, रॉंची
(कार्यालय,जिला सहकारिता पदाधिकारी, रॉंची)

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

जिला रॉंची अन्तर्गत (सिद्धकोफेड) के अधीन कार्यालय सिद्धो-कान्हो कृषि एंव वनोपज जिला सहकारी संघ लि0, के दैनिक उपयोग हेतु बाह्य स्त्रोत (Outsource) के तहत किराये पर वाहन लिये जाने हेतु इच्छुक ट्रैभल एजेन्सी/फर्म/वाहन आपूर्तिकर्ताओं से सीलबंद निविदा आमंत्रित किया जाता है।

Sl.No.	Name of Work	Description
01	Requirement of Vehicle Bolero BS VI /Bolero Neo on Rent	Rate Contract for vehicle Bolero BS VI /Bolero Neo on Rent from out Source
02	Tender Fee	Rs. 1500(One Thousand five hundred only) Non Refundable DD in favour of " SIDHO KANHO AGRICULTURE AND FOREST PRODUCE DISTRICT COOPERATIVE FEDERATION LTD, RANCHI, Payable at RANCHI
03	EMD fee	Rs. 30,000.00(Thirty Thousand only) DD in favour of " SIDHO KANHO AGRICULTURE AND FOREST PRODUCE DISTRICT COOPERATIVE FEDERATION LTD, RANCHI, Payable at RANCHI "
04	Cost Date/Time for submission of bids	04.07.2025
05	Bid opening Date(Technical+Financial)	05.07.2025, 02:00 PM
06	Name & Address of Office inviting Tender(Procurment officer)	Secretary,Sidho Kanho, Agriculture and Forest Produce District Co-operative Federation Limited-CUM-District Co-operative Office, Vikash Bhawan C-14 2nd Floor Ranchi- 834001
07	Helpline Number	9110017948

Note:- Further details can be seen, downloaded through website http://ranchi.nic.in

सचिव,
सिद्धकोफेड, जिला संघ, रॉंची

PR 355906 Co-opretive(25-26)#D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-2, रॉंची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-28/2025-26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0-2, रॉंची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय :दिनांक 09.07.2025 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :दिनांक 10.07.2025 को 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :दिनांक 10.07.2025 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0-2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0-2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष रॉंची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :नगर नियंत्रण कक्ष रॉंची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0-2, रॉंची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान :अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Emergent Repair and Painting of Auditorium at Fourth Floor of New Trauma Centre at RIMS, Ranchi	2,76,600.00	750.00	6,000.00	1 Month
2	Provision of Aluminium Work in Labour O.T. 4th Floor of IPD Building and Provision of Aluminium Door in Main Gate of Neurosurgery Ward at RIMS, Ranchi	2,11,500.00	500.00	4,500.00	1 Month
3	Renovation of School of Nursing 2nd Floor (G.N.M.) attached to RIMS, Ranchi	35,25,600.00	5000.00	71,000.00	4 Months
4	Provision of Partition Wall and Grill Gate for ARMS Storage Room at Mulstory Parking and Repair of Boundary Wall Near Tiril at RIMS, Ranchi	3,14,800.00	750.00	6,500.00	1 Month
5	Extension of Vehicle Shed and other Emergent Work at Kelly Bunglow No.-1 (Director Residence) at RIMS, Ranchi	1,57,100.00	500.00	3,500.00	1 Month
6	Renovation of Roof Treatment in (GNM) School of Nursing attached to RIMS, Ranchi	43,50,600.00	5000.00	87,500.00	4 Months

नोट :निविदा की शर्ते http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्डल संख्या-2, रॉंची

PR 355986 (Building)25-26*D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

फिर अंतरिक्ष में दस्तक

अमेरिका के एक्सियम-4 मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिये भारतीय शुभांशु शुक्ला का रवाना होना, निश्चय ही भारत के लिए अंतरिक्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह गर्व की बात है कि स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में कदम रखने के 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुंचा है। दरअसल, ह्यूस्टन स्थित एक्सियम स्पेस नामक अमेरिकी कंपनी ने यह मिशन नासा व स्पेस एक्स के साथ मिलकर शुरू किया है। इस मिशन में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ पौलेंड, हंगरी व अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री भी हैं। यूं तो अंतरिक्ष यात्रियों में कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स का नाम लिया जाता है, लेकिन वे भारतीय मूल की थीं, भारतीय नहीं। दरअसल, एक्सियम-4 का सफल प्रक्षेपण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे भारत के महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान की पहली सीढ़ी माना जा रहा है। इस मिशन के अनुभवों से गगनयान अभियान की सफलता में मदद मिलेगी। दरअसल, गगनयान भारत का पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2027 में अंतरिक्ष मिशन पर भेजा जाना है। एक्सियम-4 मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुए समझौते ने गति दी थी। जिसके चलते हम चार दशक बाद किसी दूसरे भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में सफल हो सके। कई तकनीकी कारणों से इस उड़ान में विलंब हुआ, लेकिन अंततः अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण संभव हुआ। दरअसल, गगनयान के अलावा इसरो भारत के कई महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें वर्ष 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और किसी भारतीय को चांद पर भेजना शामिल है। एक्सियम-4 मिशन को इन्हीं महत्वाकांक्षी अभियानों की आधारशिला बताया जा रहा है। एक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को जो अनुभव मिलेंगे, उसका लाभ हमारे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों को कामयाब बनाने में मिलेगा, क्योंकि इसरो को अभी तक अंतरिक्ष में मानव मिशन का अनुभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 में भारतीय वायुसेना के अधिकारी राकेश शर्मा ने तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ दिन बिताए थे। अब इस कड़ी में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम भी जुड़ गया है। जिनका अनुभव निकट भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष मिशनों में मददगार साबित होगा। निस्संदेह, पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। चंद्रयान और मंगलयान अभियान की सफलता ने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार का आत्मनिर्भरता पर जोर स्वदेशी तकनीक और लागत प्रभावी समाधानों के जरिये रहा है। भारत की कोशिश है कि मानवयुक्त उड़ानों के लिये उसे अमेरिका व रूस पर निर्भर न रहना पड़े। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें चीन हमसे आगे है। भारत का महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान इसी दिशा में इसरो की पहल है, ताकि भारत भी रूस, अमेरिका व चीन के समकक्ष वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभर सके। इसी कड़ी में भारत 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी महत्वाकांक्षा रखता है। ये असंभव नहीं है, लेकिन अभी हमें इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। दरअसल, एक्सियम-4 मिशन इसरो के लिये अनुसंधान के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है। आईएसएस पर वैज्ञानिक अध्ययन व अनुसंधान की गतिविधियों में दुनिया के लगभग तीस देश शामिल होंगे। निस्संदेह, भारत को इस स्थिति का पूरा लाभ उठाना चाहिए। ताकि भविष्य में स्वदेशी मिशनों में ये अनुभव लाभदायक साबित हो सके। उल्लेखनीय है कि शुभांशु शुक्ला समेत एक्सियम-4 की टीम बीज अंकुरण और अंतरिक्ष में पौधे किस तरह उगते हैं, पर भी अध्ययन करेगी। साथ ही यह जानने की कोशिश होगी कि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण शून्य होने पर पौधे कैसे उगते हैं। साथ ही इन पौधों में धरती के पौधों से इतर कई विशेषताएं होंगी। दरअसल, इस मिशन के दौरान साठ से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग किये जाने हैं। भारत के वैज्ञानिकों ने सात प्रयोगों का सुझाव दिया है। भारत पहली बार एस्ट्रो-बायोलॉजी के प्रयोग करेगा। जिसमें इसरो व नासा की भी भागीदारी होगी।

बेटियां संवेदनशील

देशकाल-परिस्थितियों और बदलती जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर पर एक सूक्ष्म, लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव दृष्टिगोचर हो रहा है। यह बदलाव लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में आ रहे परिवर्तन का है। जैसा कि हाल ही में ह्यद इकनॉमिस्टह्ल द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। दुनियाभर में, अतिरिक्त पुरुष जन्म की संख्या- जो वर्ष 2000 में 1.7 मिलियन तक अधिक थी, साल 2025 तक लगभग दो लाख तक गिर गई है। निस्संदेह, यह प्रजनन विकल्पों में एक अप्रत्याशित बदलावों का संकेत है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या हैङ्क दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता के रूप में देखा जा सकता है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी होती जा रही है। बल्कि कई देशों में तो महिलाओं की बैचलर डिग्री की संख्या तक पुरुषों की तुलना में अधिक है। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। वहीं भारत में परिस्थितियां एक जटिल तसवीर प्रस्तुत करती हैं। यूं तो सदियों से भारत का समाज पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है। लेकिन लिंग चयन के लिये किए जाने वाले गर्भपात पर शासन व प्रशासन की कानूनी सख्ती और जागरूकता अभियानों के बावजूद परंपरागत रूप से समाज में गहरी जड़ें जमाने वाला बेटा मोह अब भी प्राथमिकता बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा,पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है। इसके अलावा, भारत में बेटी वरीयता, जहां यह मौजूद है, अक्सर सशर्त होती है। लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए। साथ ही केंद्र व राज्य सरकारों के नीतिगत हस्तक्षेप को जन्म सांख्यिकी से परे जाना चाहिए।

कांग्रेस ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी

इमरजेंसी में कांग्रेस की दुर्भावना का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने आज तक इसके लिए माफी नहीं मांगी। बीती 21 जून को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देश की एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा, "कांग्रेस को आपातकाल के लिए देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इसे लेकर पछतावा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी इसके लिए माफी नहीं मांगी। अब जब देश में आपातकाल लागू हुए 50 साल होने जा रहे हैं, तो ऐसे में कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से इस पर पछतावा होना चाहिए।"

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भारतीय लोकतंत्र ने विश्व भर में प्रशंसा एवं प्रतिष्ठा प्राप्त की है। हालांकि लोकतंत्र की इस समृद्ध यात्रा में आपातकाल जैसा एक कलंकित अध्याय भी जुड़ा है। 25 जून, 1975 की वो रात कौन भूल सकता है जिसे खासतौर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 'तानाशाही' के रूप में जाना जाता है। ये वही रात थी जब तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर देश में आपातकाल की घोषणा की थी। 25 जून 2025 को कांग्रेस की शीर्ष नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर आपातकाल को थोपे हुए 50 वर्ष पूरे होंगे। इमरजेंसी में कांग्रेस की दुर्भावना का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने आज तक इसके लिए माफी नहीं मांगी। बीती 21 जून को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देश की एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा, "कांग्रेस को आपातकाल के लिए देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इसे लेकर पछतावा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी इसके लिए माफी नहीं मांगी। अब जब देश में आपातकाल लागू हुए 50 साल होने जा रहे हैं, तो ऐसे में कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से इस पर पछतावा होना चाहिए।"

20 नवंबर, 2017 को आपातकाल के दौरान जेल काटने वाले पत्रकार कुलदीप नैयर का बीबीसी में प्रकाशित एक लेख आपातकाल को लेकर कांग्रेस के चरित्र का बखूबी चित्रण करता है। नैयर लिखते हैं, "आपातकाल किसी अपराध से कम नहीं था, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इसके लिए कभी माफी नहीं मांगी। खासकर नेहरू-गांधी खानदान से अफसोस का एक शब्द भी नहीं कहा गया। गैर-कांग्रेसी पार्टियों ने इसके विरोध में बयान जारी किया या विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी आपातकाल पर खामोश ही रही।"

माफी मांगने की बजाय इंदिरा गांधी के पुत्र पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को आपातकाल पर गर्व करते हुए लोकसभा में कहा था कि आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं है। " पूर्व प्रधानमंत्री ने यहां तक कहा था कि अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री इन परिस्थितियों में आपातकाल को जरूरी समझता है और आपातकाल लागू नहीं करता है तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के लायक नहीं है। तानाशाही पर गर्व करने का यह कृत्य ही दर्शाता है कि कांग्रेस को परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है।" पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का वक्तव्य कांग्रेस के मूल चरित्र को दर्शाता है। आपातकाल की अवधि के बाद दो पीढ़ियां बड़ी हो चुकी हैं तो उन्हें इसकी भनक नहीं होगी कि तब देश में कितने खराब हालात रहे। बिना किसी अदालती कार्यवाही के संसद से विपक्षी सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया। एक लाख से ज्यादा लोगों को जेल में डाल दिया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी। इंदिरा गांधी ने खुद को ही कानून बना लिया था। इंदिरा गांधी में प्रतिशोध की भावना की सारी सीमाएं टूट गई थीं। आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने देश के संवैधानिक संस्थाओं और मयार्दाओं के साथ जो खिलवाड़ किया है, उसका खामियाजा आज तक देश भुगत रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने जुलाई 2015 में कहा, "हमें क्यों माफी मांगनी चाहिए? हम क्यों आपातकाल पर चर्चा करें?" मार्च 2021 को राहुल गांधी ने अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय में आपातकाल पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, "मुझे लगता है कि वह एक गलती थी बिलकुल, वह एक गलती थी। और मेरी दादी (इंदिरा गांधी) ने भी ऐसा कहा था।"

मई 2004 में इंडियन एक्सप्रेस के तत्कालीन प्रधान संपादक शेखर गुप्ता के साथ बातचीत में सोनिया गांधी ने कहा था कि उनकी सास ने बाद में महसूस किया था कि यह एक गलती थी। सोनिया गांधी ने तब कहा था, ₹ठीक है, मेरी सास ने खुद चुनाव हारने के बाद (1977 में) कहा था कि उन्होंने उस (आपातकाल) पर पुनर्विचार किया था। और यह तथ्य कि उन्होंने चुनाव की घोषणा की, इसका मतलब है कि उन्होंने आपातकाल पर पुनर्विचार किया था। बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। कांग्रेस सांसदों ने प्रस्ताव विरोध में कहा कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर यह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए?

निर्लज्जता की पराकाष्ठा देखिए जिस कांग्रेस के नेता ने केवल अपनी सत्ता कायम रखने के लिए आपातकाल लगाया, इन दिनों उसी पार्टी के नेता संविधान रक्षक होने का दावा करते घूमते हैं। 2024 के आम चुनाव से इंदिरा गांधी के पोते राहुल गांधी लगातार संविधान की एक किताब को सार्वजनिक रूप से लहराकर यह दावा करते रहते हैं कि कांग्रेस ही संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक संरक्षक है, जबकि सच्चाई यही है कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान के आत्मा को क्षति पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

दिसंबर 2024 को लोकसभा में संविधान पर विशेष बहस के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, ₹उन्होंने (राजनाथ सिंह) 1975 (आपातकाल) के बारे में बात की तो सीख लीजिए न आप भी... आप भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगिए... आप भी बैलेट पर चुनाव कर लीजिए... दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा।₹ यानी अपनी गलती के लिए माफी मांगने की बजाय सामने वाले को नसीहत देना कांग्रेस की पुरानी फितरत है। प्रियंका ने भी वही किया जो उनकी पार्टी के नेता करते आए हैं।

नैयर लिखते हैं कि, "युद्ध के बाद के जर्मनी ने हिटलर के अत्याचारों के लिए माफी मांगी थी। यहां तक कि जर्मनी ने इसके लिए हजार्ना भी भरा था। ऐसे अत्याचारों के लिए कोई माफी नहीं दी जा सकती, लेकिन लोगों को सामान्य तौर पर लगता है कि बच्चों को एहसास होगा कि उनके पूर्वजों ने गलती सुधारने की कोशिश की थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अमृतसर स्वर्ण मंदिर गए थे और उन्होंने ब्लू स्टार ऑपरेशन के लिए माफी मांगी थी।"

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जून, 2024 को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए जो शब्द कहे थे, उससे कांग्रेस के मूल स्वरूप और चरित्र को जानना और समझना सरल हो जाता है। योगी ने कहा था कि, उस समय कांग्रेस का एक बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। कैसे कांग्रेस ने उस समय देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। कैसे न्यायालय के अधिकारों को कांग्रेस ने उस समय बंधक बनाकर रख दिया था और आज भी कांग्रेस में भले ही नेतृत्व बदला हो, चेहरा बदला हो, लेकिन उसका चरित्र वही है।

आपातकाल के 45 साल बाद विदेशी धरती पर राहुल गांधी ने स्वीकार किया कि इमरजेंसी का निर्णय गलत था। लेकिन देशवासियों से उन्होंने या कांग्रेस के किसी नेता ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी। कांग्रेस नेता गाहे-बगाहे आपातकाल पर गुमराह करने और बेशर्मी से इस अमानवीय फैसले को सही साबित करते रहते हैं। लेकिन वे अपनी पार्टी के नेता द्वारा लिए गए एक घोर अलोकतांत्रिक और संविधान का गला घोंटने वाले निर्णय, अमानुषिक और तानाशाही रवैये के लिए माफी मांगने का नैतिक और राजनीतिक साहस जुटा नहीं पाते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

रेअर अर्थ पर आत्मनिर्भरता जरूरी

यूएस भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण डेटा पर आधारित एक नए ग्लोबल मैप के मुताबिक यूं तो कई देशों में इन दुर्लभ तत्वों के भंडार हैं लेकिन सर्वाधिक चीन में 44 मिलियन मीट्रिक टन भंडार है। चीन के बाद अफ्रीका,मोरक्को और दक्षिण अफ्रीका में प्रचुर मात्रा में जस्ता, लिथियम और कोबाल्ट के भंडार हैं, जो रिन्यूवल एनर्जी के लिए सबसे ज्यादा जरूरी हैं। वहीं चिली और ब्राजील में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आवश्यक लिथियम भंडार हैं तो यूक्रेन में टाइटेनियम और लिथियम और ग्रीनलैंड में दुर्लभ अर्थ मेटल्स और प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार हैं।

हरीश शिवनानी

आज रेयर अर्थ पर चीन का दबदबा वैश्विक चुनौती है। भारत सहित कई देशों को अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। पहली बार मोदी सरकार ने रेयर अर्थ पर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम उठाए हैं। यह आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए जरूरी भी है। भारत और अमेरिका सहित अनेक देश इस कवायद में लगे हुए हैं। रेअर अर्थ धरती के गर्भ में पाए जाने वाले दुर्लभ खनिज हैं। इनके बगैर ऑटोमोबाइल और सैन्य-रक्षा सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का निर्माण संभव नहीं। रेअर अर्थ की श्रेणी में आने वाले दुर्लभ खनिज केवल वाणिज्यिक,औद्योगिक संसाधन मात्र नहीं हैं, ये तकनीकी संप्रभुता, रक्षा तैयारियों और भविष्य की औद्योगिक,आर्थिक व सैन्य महाशक्ति बनने की संभावनाओं की नींव हैं। इनमें भी रेअ-र अर्थ मैग्नेट खासा महत्वपूर्ण है। रेअर अर्थ मेटल 17 धातु तत्वों का एक समूह है। इसमें 15 लैंथेनाइड्स धातुओं के अलावा स्कैंडियम और यिट्रियम शामिल हैं। इनमें चुंबकीय, ल्यूमिनसेंट और इलेक्ट्रोकेमिकल के विशेष गुण होते हैं, जिनका उपयोग आधुनिक उच्च तकनीक उद्योग में किया जाता है।

स्मार्टफोन, लैपटॉप और इलेक्ट्रिक वाहन बनाने के साथ मिसाइल, राडार और अत्याधुनिक हथियार बनाने के लिए दुर्लभ खनिज ही चाहिए। इसके अलावा रिन्यूवल एनर्जी, विंड टर्बाइन और सोलर पैनल, सुपर कंडक्टर, हाइ प्लग्स, मैग्नेट, इलेक्ट्रिक पॉलिसिंग, ऑयल, रिफाइनरी में केटिलिस्ट, हाइब्रिड कलर कंपोनेंट एवं बैटरी, लैजर, एयरोस्पेस के लिए भी ये ह्यअनिवार्य तत्वह्ल हैं। रेअर अर्थ मैग्नेट सामान्य आयरन मैग्नेट से 20 गुना अधिक ताकतवर होता है और कारों तथा कई अन्य उपकरणों में लगने वाली इलेक्ट्रिक मोटरों को बनाने के लिए जरूरी है।

यूएस भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण डेटा पर आधारित एक नए ग्लोबल मैप के मुताबिक यूं तो कई देशों में इन दुर्लभ तत्वों के भंडार हैं लेकिन सर्वाधिक चीन में 44 मिलियन मीट्रिक टन भंडार है। चीन के बाद अफ्रीका,मोरक्को और दक्षिण अफ्रीका में प्रचुर मात्रा में जस्ता, लिथियम और कोबाल्ट के भंडार हैं, जो रिन्यूवल एनर्जी के लिए सबसे ज्यादा जरूरी हैं। वहीं चिली और ब्राजील में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आवश्यक लिथियम भंडार हैं तो यूक्रेन में टाइटेनियम और लिथियम और ग्रीनलैंड में दुर्लभ अर्थ मेटल्स और प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार हैं।

दिक्कत यह है कि इन देशों में इसकी खुदाई और प्रोसेसिंग बहुत महंगी है। इससे भारी मात्रा में प्रदूषण भी निकलता है। इन सब में चीन के पास ही इनकी प्रोसेसिंग की क्षमता है। वर्तमान में दुलर्भ पृथ्वी धातुओं का 61 प्रतिशत भंडार चीन में है और पूरी दुनिया में 90 फीसदी वही निर्यात करता है। इन तत्वों को एक-दूसरे से अलग करना बेहद जटिल है। इसीलिए इन्हें रेअर माना जाता है। रेअर अर्थ की वैश्विक सप्लाई चेन में चीन का दबदबा है। आधुनिक इंडस्ट्री में इनका महत्व यों समझा जा सकता है कि चीन ने जब अप्रैल में रेअर अर्थ मैग्नेट समेत छह तरह के बहुमूल्य धातुओं के निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया तो वैश्विक कंपनियों में खलबली मच गई और ऑटोमोबाइल उद्योग को विशेष रूप से झटका लगा क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाले शक्तिशाली इंजन मैग्नेट नियोडिमियम से बनते हैं।

भारत में भी टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज मोटर्स दबाव में आ गए। सुजूकी कंपनी को अपनी स्विफ्ट कार का निर्माण कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा। ऐसा नहीं है कि भारत में ये दुर्लभ तत्व नहीं मिलते। भारत के पास तो विश्व में पांचवां सबसे बड़ा दुर्लभ खनिज भंडार है-करीब 6.9 मिलियन मीट्रिक टन। दुनिया में भारत की हिस्सेदारी छह फीसदी है। इनमें केरल में थोरियम सैंड के अलावा आंध्र प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान में भी इसके भंडार हैं। लेकिन दुनिया भर की आपूर्ति का भारत में महज एक प्रतिशत हिस्सा ही उत्पादित होता है। इन खनिजों की तलाश, खदान का काम अब तक मोटे तौर पर सरकार के जिम्मे रहा है।

ब्यूरो आफ माइंस और परमाणु ऊर्जा विभाग यह काम करते रहे हैं। खनन और शोधन का काम इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड के पास रहा है लेकिन यह विडंबना है कि भारत अभी ऐसी तकनीक, मैकेनिज्म नहीं खड़ा कर पाया है जो इन खनिजों से मैग्नेट बनाकर खुद की जरूरतें पूरी कर सके। भारत में जितने भी दुर्लभ अर्थ मैग्नेट उपयोग में आते हैं, वे अधिकतर चीन से आयात किए जाते हैं। वर्ष 2023-24 में भारत ने 2270 टन और पिछले वित्तीय वर्ष में करीब 53,748 मीट्रिक टन मैग्नेट आयात किए। इनका करीब अस्सी फीसदी चीन से ही आयात हुआ।

इस हालात को देखते हुए भारत ने अपने दुर्लभ खनिजों को रणनीतिक संपत्ति की तरह देखना शुरू कर दिया है। इसी रणनीति के चलते भारत ने पिछले 13 वर्षों से जापान के साथ चल रहे समझौते को निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसके तहत इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड द्वारा खनन किए गए दुर्लभ खनिज, विशेषकर नियोडिमियम जापान भेजे जाते थे, लेकिन भारत ने तय किया है कि वह अपने घरेलू उद्योगों की जरूरतों को प्राथमिकता देगा और चीन पर निर्भरता कम करेगा।

इसी उद्देश्य के साथ इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड ने सरकार से घरेलू स्तर पर प्रसंस्करण और रिफाइनिंग की क्षमता विकसित करने के लिए चार नए खदानों की मंजूरी मांगी है। इसी रणनीति के तहत ओडिशा में एक एक्सट्रैक्शन प्लांट और केरल में एक रिफाइनिंग यूनिट भी स्थापित की गई है। राजस्थान के जोधपुर संभाग के बालोतरा क्षेत्र की सिवाना और आसपास की पहाड़ियों में इन दुर्लभ खनिजों की मौजूदगी पर केंद्र सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग की आधिकारिक पुष्टि के बाद जोधपुर में रेअर अर्थ एक्सीलेंस सेंटर बनाने का प्रस्ताव भी सरकार के पास है।

बालोतरा में 1 लाख 11 हजार 845 टन दुर्लभ मृदा तत्व ऑक्साइड मिलने की संभावना है। भारत का लक्ष्य है कि 2026 तक वह 450 मीट्रिक टन नियोडिमियम का उत्पादन करे और 2030 तक इसे दोगुना कर दे। भारत को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए यह अब अनिवार्य हो गया है कि दुर्लभ तत्वों की तकनीक में अपने धुर प्रतिद्वंद्वी देश पर निर्भरता को घटाते हुए आत्मनिर्भरता के प्रयास किए जाएं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आस्था, भक्ति और सामाजिक समरसता का भव्य उत्सव है भगवान जगन्नाथ रथयात्रा

भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत में भगवान जगन्नाथ की यात्रा एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हर वर्ष ओडिशा के पुरी नगर में आयोजित होने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह आस्था, भक्ति और सामाजिक समरसता का भव्य उत्सव भी है। यह यात्रा भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को विशाल रथों में श्रीमंदिर से बाहर लाकर जनसामान्य के दर्शन हेतु निकाली जाती है। भगवान जगन्नाथ को भगवान विष्णु या श्रीकृष्ण का अवतार माना जाता है। रथ

यात्रा का आयोजन आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को होता है, जिसे 'रथ द्वितीया' कहा जाता है। यह परंपरा सदियों पुरानी है और कहा जाता है कि यह यात्रा 12वीं सदी से भी पहले शुरू हो चुकी थी।

पुरी के श्रीजगन्नाथ मंदिर की रथ यात्रा विश्व प्रसिद्ध है और इसे देखने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं। इस उत्सव की भव्यता और अध्यात्मिक ऊर्जा को देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है।

रथ यात्रा की विशेषताएं

तीन रथः भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के लिए अलग-अलग विशाल रथ बनाए जाते हैं। ये रथ हर साल नए लकड़ी से तैयार किए जाते हैं। भगवान जगन्नाथ के रथ का नाम 'नंदिघोष', बलभद्र के रथ का नाम 'तालध्वज' और सुभद्रा के रथ का नाम 'दर्पदलन' होता है, इसे पद्म ध्वज नाम से भी पुकारा जाता है।

गुंडिचा मंदिर यात्राः रथ यात्रा के दौरान भगवान अपने भाई-बहन के साथ श्रीमंदिर से करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित गुंडिचा मंदिर जाते हैं। वहां वे सात दिन तक विश्राम करते हैं और फिर 'बहुड़ा यात्रा' के माध्यम से वापस आते हैं।

छेरा पहराः पुरी के गजपति महाराज स्वयं सोने की झाडू से रथ की सफाई करते हैं। इसे ह्यछेरा पहराह्ल कहा जाता है और यह राजा द्वारा भगवान के प्रति अपनी सेवा और समर्पण का प्रतीक है।

जगन्नाथ यात्रा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, यह भारतीय समाज की समरसता, समानता और एकता का प्रतीक भी है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

श्रावणी मेला को लेकर डीसी ने बिहार-झारखंड के अधिकारियों की बैठक में साझा की जानकारी

एजेंसी

देवघर : 11 जुलाई से शुरू होने वाले श्रावणी मेले को सफल बनाने के लिए झारखंड सरकार के साथ-साथ बिहार सरकार भी तैयारी में जुटी हुई है. इसी को लेकर बुधवार को देवघर में झारखंड एवं बिहार के कई जिलों के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई, जिसमें देवघर, दुमका, बांका, गोड्डा, भागलपुर, मुंगेर और जमुई के सभी जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और उनके प्रतिनिधि मौजूद रहे.

डीसी ने बताया श्रावणी मेला पर कैसी रहेगी तैयारियां

देवघर के सर्किट हाउस में आयोजित हुई इस बैठक की अध्यक्षता संथाल परगना के आयुक्त लालचंद डाडेल ने की. बैठक की शुरूआत करते हुए देवघर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन (पीपीपी) के माध्यम से श्रावणी मेला 2025 को सुरक्षित एवं सुगम तरीके से संपन्न कैसे कराया जाए, विभिन्न बिंदुओं पर क्या कार्य करना है, इससे जुड़ी सभी जानकारी अधिकारियों को मुहैया कराई.इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि जिस रूट लाइन से श्रद्धालु जलार्पण करने पहुंचेंगे, उस रूट के विभिन्न चौकों पर मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी व कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी. साथ ही उन्होंने बैठक में मौजूद सभी अधिकारियों को जानकारी देते हुए बताया कि श्रद्धालुओं के विश्राम को लेकर जगह-जगह पर होल्डिंग पॉइंट्स और टेंट सिटी का निर्माण कराया गया है. जहां पर बिजली, पानी, शौचालय सहित सभी बुनियादी सुविधा मौजूद रहेंगे. वहीं, सभी टेंट सिटी एवं होल्डिंग पॉइंट्स पर मोबाइल चार्जिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे श्रद्धालु अपने फोन आसानी ने चार्ज कर सकेंगे.

मेले के दौरान विशेष चेकिंग बढ़ाई जाएगी

वहीं, संथाल परगना के आयुक्त एल.सी डाडेल ने कहा कि इस बार दोनों राज्यों के बीच सूचना तंत्र को नई तकनीक से जोड़ा गया है. इस वर्ष आधुनिक सूचना तकनीक व्हाट्सएप के साथ–साथ बाबा धाम मोबाइल एप और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से दोनों राज्यों के अधिक से अधिक अधिकारियों को जोड़ा जाएगा ताकि सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई की जा सके. जबकि भागलपुर प्रमंडल की आयुक्त हिमांशु कुमार राय ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टिकोण से श्रावणी मेला के दौरान सघन गश्ती एवं चेक नाका पर भी विशेष चेकिंग बढ़ाए जाएंगे. चेक नाका के माध्यम से बॉर्डर क्रॉस करने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी. वहीं, बैठक में मौजूद दुमका के उपायुक्त ने भी श्रावणी मेला के संचालक को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियों को बिहार के अधिकारियों के साथ साझा किया.

इन वाहनों पर रहेगी पैनी नजर

इस बैठक में मौजूद बिहार-झारखंड के अधिकारियों ने बताया कि जो भी बड़े एवं छोटे वाहन बॉर्डर क्रॉस करेंगे, उस पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी और देवघर पहुंचने के बाद ट्रैफिक नियमावली का पालन करना अनिवार्य होगा. जहां भी जिला प्रशासन के द्वारा पार्किंग एरिया बनाई गई है, वही पर गाड़ियों का पार्किंग सुनिश्चित किया जाएगा. इंटर स्टेट कोऑर्डिनेशन की बैठक के दौरान सभी अधिकारियों ने अपने-अपने जिलों में व्यवस्था को दुरुस्त एवं मजबूत करने से जुड़ी जानकारियां साझा की और अपने पदाधिकारी से सभी जिम्मेदारियां को सुनिश्चित कराने की बात कही.

पांच हजार कार्यकर्ता क्रांति स्थल पंचकठिया से भोगनाडीह जाएंगे : बर्नार्ड

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट:प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत झामुमो प्रखंड कार्यालय बरहेट में 30 जून हूल दिवस की तैयारी को लेकर एक बैठक आयोजित की गई।जिसकी अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी ने किया।बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री मरांडी ने बताया की इस बार 30जून हूल दिवस के मौके पर झामुमो केंद्रीय अध्यक्ष सह सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आगमन वीर शहीद सिदो-कान्हू मुर्मू की पावन धरती पर होना हैं।प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत के अध्यक्ष सचिव सहित सम्मानित कार्यकर्तागण तैयारी में जुट जाएं।झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान ने अपने संबोधन में कार्यकताओं से कहा कि इस बार मशाल जुलूस में लगभग पांच हजार कार्यकर्ता क्रांति स्थल पंचकठिया से भोगनाडीह जाएंगे।बैठक को पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो नजरुल इस्लाम,जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी,युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अली अंसारी, ज़िप सदस्य जेठा मुर्मू,प्रखंड उपाध्यक्ष लुखीराम हेंब्रम ने भी संबोधित किया। मौके पर झामुमो प्रखंड कोषाध्यक्ष गुंजन सिंघानिया,सुनील सोरेन,सुनिराम हांसदा,पुसा टुडू,चारलेस सोरेन,बल्लू हांसदा,देव सोरेन,समदा सोरेन,बाबुधन टुडू,जिसू मरांडी ,शाम हेंब्रम,संजय सोरेन,समसूल अंसारी,लड्डू भगत,पंसस रेजाउल रहमान,खालिक आलम, मुश्ताक अंसारी सहित सभी पंचायत के अध्यक्ष सचिव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

चयनित शिक्षक योग्य प्रशिक्षित और छात्राओं की आवश्यकताओं के अनुरूप हो : हेमंत सती

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में माध्यमिक शिक्षा स्थापना समिति एवं जिला शिक्षा समग्र परियोजना कार्यकारिणी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य उद्देश्य जिले में माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक निर्णय लेना था।बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की नियुक्ति पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने विभिन्न विद्यालयों में आवश्यक विषयों के लिए विशेष शिक्षकों की नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की और यह सुनिश्चित करने को कहा कि चयनित शिक्षक योग्य प्रशिक्षित व छात्राओं की आवश्यकताओं के अनुरूप हों। इसके अतिरिक्त जिन शिक्षकों का स्थानांतरण किया जाना प्रस्तावित था जो उन्हें भी स्वीकृति दी गई।उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि नियुक्ति व स्थानांतरण की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाए ताकि छात्रों की पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने छात्रों की शैक्षणिक प्रगति के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, समग्र शिक्षा के अन्य संबंधित विभागीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अधिकारी टीम के साथ सर्वप्रथम एआरटी पहुंचे

साहिबगंज: मालदा रेल मंडल के एडीआरएम शिव प्रसाद बुधवार को निरीक्षण हेतु अपने विशेष सैलून से अपने रेल अधिकारियों के साथ साहिबगंज पहुंचे।जहां एडीआरएम ने सीनरी डीएमई रत्नेश कुमार, डीईएन के विद्युत मंडल और डीएसओ सहित अन्य अधिकारी टीम के साथ सर्वप्रथम एआरटी पहुंचे जहां उन्होंने पूरी सिस्टम की जानकारी दी और आपात स्थिति में निपटने के लिए आधुनिकतम व्यवस्था पर विचार विमर्श किया। उसके बाद टीम द्वारा चालक एवं गार्ड के रनिंग रूम पहुंचे वहां की विधि व्यवस्था का जायजा लिया और कई आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा एडीआरएम ने रेल अधिकारियों से कई मुद्दों पर वातार्लाप भी किया।इसी दौरान मौके पर सहायक अभियंता वेदव्यास शरण ,रेलवे स्टेशन प्रबंधक राजहंस पाठक, कमर्शियल इंचार्ज विकास कुमार, प्रेम शंकर पासवान सहित अन्य मौजूद थे।

बाइक दुर्घटनाग्रस्त दो घायल

साहिबगंज : जिरवाबाडी थाना क्षेत्र के जिलेबिया घाटी में दो युवक बाइक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से दोनों को इलाज के लिए एंबुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। दोनों युवक नगर थाना क्षेत्र के कुलीपाड़ा निवासी सिद्धार्थ कुमार राम 28 वर्ष एवं आजाद नगर निवासी सचिन यादव 24 वर्ष हैं। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि सिद्धार्थ एवं सचिन दोनों बाइक पर सवार होकर बोरियों गए थे। वापस लौट के दौरान जिलेबिया घाटी में किसी कारणवश बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गए । जिसके कारण दोनों को गंभीर चोट लगे राहगीरों ने तुरंत सहायता कर दोनों को इलाज के लिए एंबुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल भिजवाया । इधर दोनों घायल के सदर अस्पताल पहुंचते ही डाक्टर व ड्रेसर प्राथमिक उपचार में जुड़ गए।

पश्चिम बंगाल पुलिस की राधानगर में दस्तक चोरी के आरोपी की तलाश

साहिबगंज/उधवा : पश्चिम बंगाल से आई चार सदस्यीय पुलिस टीम एक चोरी के आरोपी की तलाश में राधानगर पहुँची है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह मामला पश्चिम बंगाल के इस्लामपुर थाना क्षेत्र में हुई चोरी से जुड़ा है, जिसके तार राधानगर थाना क्षेत्र से जुड़े होने की आशंका है। पश्चिम बंगाल पुलिस की टीम इस मामले में गहन छानबीन कर रही है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आरोपी कौन है और राधानगर से उसका क्या संबंध है।

अबुआ आवास योजना के लाभार्थियों को मिला नए घर का सुख

साहिबगंज/उधवा: झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना के तहत उधवा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में लाभार्थियों को उनके सपनों का घर मिलना शुरू हो गया है। इन दिनों जोर-शोर से गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिससे लाभार्थियों में खुशी का माहौल है। इसी कड़ी में बुधवार को पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत में भी अबुआ आवास के लाभुकों को उनके नए घरों में प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर ग्राम रोजगार सेवक सह आवास प्रभारी महताब आलम और पंचायत सहायक सलीम अख्तर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर, नारियल फोड़कर और लाभार्थियों को उनके नए घरों की चाबी सौंपकर विधिवत गृह प्रवेश कराया। इस मौके पर स्थानीय वार्ड सदस्य सहित कई गणमान्य व्यक्ति और ग्रामीण उपस्थित थे।

उधवा चौक पर कल लगेगा विद्युत शिविर, बिजली बिल सुधार और भुगतान की होगी सुविधा

साहिबगंज/उधवा : विद्युत उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल राजमहल द्वारा उधवा चौक पर 27 जून को एक विशेष विद्युत शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। इस संबंध में सहायक विद्युत अभियंता ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य राजस्व संग्रहण, बिजली बिलों में सुधार और विद्युत संबंधित अन्य समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है।उपभोक्ता इस शिविर में अपने बिजली बिल का बकाया भुगतान कर सकते हैं और बिल से संबंधित किसी भी त्रुटि को ठीक करवा सकते हैं। यह उपभोक्ताओं के लिए अपनी बिजली संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान पाने का एक अच्छा अवसर है।

भारी मात्रा में लाखों के चोरी की मोबाइल के साथ एक युवक को गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज: तीनपहाड़ थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर की गई कारवाई में भारी मात्रा में लाखों के चोरी की मोबाइल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है।मामले को लेकर बुधवार के दिन तीनपहाड़ थाना परिसर में राजमहल डीएसपी विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया कि बुधवार अहले सुबह 5 बजे जिले के पुलिस कप्तान अमित कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली कि तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में एक युवक बड़ी खेप में चोरी के मोबाइल लेकर बाबूपुर आया है।और आज ही पश्चिम बंगाल के रास्ते कालियाचक सारा मोबाइल बेचने के लिए जाने वाला है। वहीं मिले सूचना के आधार पर जिला पुलिस कप्तान के निर्देश पर एक टीम का गठन किया गया।वही टीम की कमान राजमहल डीएसपी विमलेश कुमार त्रिपाठी को सौंपी गई।जिसके बाद टीम ने बड़े ही नाटकीय ढंग से थाना क्षेत्र के ही धमधामिया स्टेशन के समीप एंटी क्राइम चेकिंग अभियान 7 बजे सुबह से चलाया और वहीं चोरी के 97 पिस मोबाइल फोन के साथ युवक को धर दबोचने में सफलता हासिल हुई।जांच में युवक के पास 97 पीस एंड्रॉयड मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद किया।जिसमें मुख्य रूप से गूगल फिक्सल 9 प्रो मैक्स, आईफोन, सैमसंग, ओप्पो, रियलमी, रेडमी एमआई, मोटरोला, वीभो, वनप्लस के फोन पुलिस ने बरामद किया। इस संबंध में तीनपहाड़ थाना कांड संख्या 94/2025 दर्ज कर लिया गया है,जिसमें धारा 303 (2)/ 317(5) बी एन एस एक्ट दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है।वही युवक ने अपना नाम विक्रम कुमार घर तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के लालबन बताया धराएं युवक ने ये भी बताया कि ये सारी चोरी का मोबाइल बाहर भेजने वाला था।बरामद मोबाईल की मार्केट मूल्य तकरीबन 50 लाख बताया जा रहा है।वही छापेमारी दल में राजमहल डीएसपी विमलेश कुमार त्रिपाठी,पुलिस उपाधीक्षक साहिबगंज रूपक कुमार, पुलिस निरीक्षक श्यामलाल हंसदा, तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे,एसआई महेंद्र कुमार,तालझारी थाना प्रभारी नीतेश पांडे,हवलदार संजय कुमार,हवलदार फिरोज कुमार शामिल थे।

सरकारी स्कूलों के सचिवों की गुरू गोष्ठी में शामिल हुए शिक्षा पदाधिकारी

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड की उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गड़ल्ली में बुधवार को सरकारी स्कूलों के सचिवों की गुरू गोष्ठी' का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी बीईईओ रोबिन मंडल ने की। इस दौरान शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कई अहम निर्देश दिए गए।बीईईओ रोबिन मंडल ने सभी सचिवों को कड़े निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन स्कूल समय पर खोलें और बंद करें। इसके साथ ही, उन्होंने मध्याह्न भोजन को सुचारू रूप से संचालित करने पर भी जोर दिया, ताकि बच्चों को समय पर पौष्टिक भोजन मिल सके। बैठक में शिक्षकों की उपस्थिति और छात्रों के डेटा को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। सभी शिक्षकों को अपनी दैनिक उपस्थिति बायोमेट्रिक प्रणाली में दर्ज करने और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति को प्रतिदिन ई-विद्या वाहिनी पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करने को कहा गया। इसके अलावा, सभी छात्र-छात्राओं के लिए बैंक खाते खोलने से संबंधित जानकारी भी दी गई। बीईईओ ने फर्जी नामांकन पर पूरी तरह रोक लगाने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मौके पर बीपीओ अटल बिहारी भगत, बीआरपी बैद्यनाथ ठाकुर, मोहन लाल साहा,सीआरपी बाबूलाल मंडल, रूहुल अमीन, अशोक पाल, रतन मंडल, दिजेंद्र नाथ मंडल, तपन मंडल सहित कई स्कूल सचिव जैसे साईम शेख, मैनुल हक, सेराजुल हक, हारून रशीद, मुख्तार हुसैन, ज्ञानचंद्र मंडल, मनोवर आलम, नासिर हुसैन, जाकिर हुसैन, और इरफान अली भी मौजूद थे।

आखिर बरहरवा व पतना की जनता के साथ सरकार सौतेला व्यवहार क्यों कर रही है : श्यामल

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा:-बरहरवा और पतना को सरकार द्वारा अनुमंडल बनाने की घोषणा नहीं होने पर आंदोलन तेज होती दिखाई दे रही है,बरहरवा नगर पंचायत अध्यक्ष श्यामल दास ने भी बरहरवा व पतना को अनुमंडल की अबतक घोषणा नहीं होने पर घोर नाराजगी जाहिर की है,एवं अनुमंडल निर्माण समिति के बैनर आज स्टेशन चौक पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन की जाएगी.जिसमें बरहरवा व पतना के आम लोगों की सहभागिता की घोषणा की गई है।इस सम्बंध में बरहरवा नगर पंचायत अध्यक्ष श्यामल दास ने बताया कि वर्षों से बरहरवा व पतना को अनुमंडल बनाने की मांग की जा रही है,जबकि पूर्व में बरहरवा अनुमंडल पुलिस कार्यालय का विस्थापन भी किया गया है जो वर्तमान में संचालित है। परंतु बरहरवा को अनुमंडली करण न कर किसी साजिश के तहत किसी अन्य जगह को अनुमंडल बनाने की खबर मिली है। जो निंदनीय है।आखिर बरहरवा व पतना की जनता के साथ सरकार सौतेला व्यवहार क्यों कर रही है।इसीलिए अब आंदोलन की आवश्यक्ता आन पड़ी है जिसके अनुरूप 26 जून को शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कार्यक्रम किया जाएगा और सरकार से ये मांग की जाएगी कि बरहरवा व पतना को अनुमंडल बनाया जाए।

निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए युवाओं को डीडीसी को दिलाई शपथ

एजेंसी

साहिबगंज: राज्य सरकार के निदेर्शानुसार महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग साहिबगंज द्वारा 10 जून से 26 जून तक चलाए गए विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने हेतु विशाल जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।रैली की शुरूआत पटेल चौक से हुई जो चैती दुर्गा मंदिर होते हुए पीएमश्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय नया टोला नगरपालिका कन्या पुरानी साहिबगंज तक निकाली गई। रैली का उद्घाटन उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर दोनों पदाधिकारियों ने उपस्थित युवाओं, विद्यार्थियों खिलाड़ियों एवं स्काउट-गाइड वॉलंटियर्स को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।रैली के समापन कार्यक्रम का आयोजन पीएमश्री विद्यालय परिसर में हुआ।जहां चित्रा यादव ने उपस्थित छात्रों एवं प्रतिभागियों को नशा छोड़ने, स्वस्थ समाज निर्माण में योगदान देने और अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण कार्यालय के प्रेम कुमार, खेल प्रशिक्षक योगेश यादव, प्रकाश सिंह बादल, निमाई चौधरी, झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के सदस्य, स्काउट गाइड के उमा शंकर सिंह, आवासीय बालक एवं डे बोर्डिंग बालिका एथलेटिक्स केंद्र, खेलो इंडिया कुश्ती केंद्र, कबड्डी के खिलाड़ी, स्काउट गाइड के वॉलंटियर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।यह रैली समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है। जिसमें युवाओं की सक्रिय भागीदारी अत्यंत सराहनीय रही।

बच्चों को सरकारी लाभों से आच्छादित करने की दिशा में एक महत्वपू र्ण पहल

संवाददाता

साहिबगंज:झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार झालसा द्वारा संचालित साथी कैम्पेन के तहत विभिन्न स्थलों से रेस्क्यू किए गए पाँच बच्चों को सरकारी लाभों से आच्छादित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इसी क्रम में आज बाल संरक्षण कार्यालय, साहेबगंज यूआईडीएआई सेल, साहिबगंज के संयुक्त तत्वावधान में विशेष आधार पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से सभी बच्चों का आधार कार्ड बनाया गया। जिससे वे अब विभिन्न सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। शिविर का संचालन बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी व जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पारा लीगल वॉलंटियर पी.एल.भी. की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।जिला परियोजना पदाधिकारी, यूआईडीएआई संदीप कुमार ने जानकारी दी कि यह कार्य झालसा के निर्देशानुसार ₹साथी कैम्पेन₹ के अंतर्गत किया गया। ताकि रेस्क्यू किए गए बच्चों को त्वरित रूप से आवश्यक सरकारी पहचान पत्र उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने बताया कि ऐसे बच्चों को मुख्यधारा में लाने हेतु भविष्य में भी इस प्रकार के विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।यह पहल बच्चों के समग्र पुनर्वास एवं अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

जिम्बाब्वे महिला टीम पहली बार खेलेगी आईसीसी महिला चैंपियनशिप, न्यूजीलैंड दौरे से होगा आगाज

एजेंसी

हरारे : जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम इतिहास रचने के लिए तैयार है। पहली बार आईसीसी महिला चैंपियनशिप में हिस्सा लेने जा रही जिम्बाब्वे की टीम अगले साल फरवरी-मार्च 2026 में न्यूजीलैंड दौरे पर जाएगी, जहां वह तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। यह मुकाबले जिम्बाब्वे की महिला चैंपियनशिप में आधिकारिक शुरूआत होंगे। तीन वनडे मैच 5, 8 और 11 मार्च को डुनेडिन में खेले जाएंगे। इससे पहले दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 25 फरवरी, 27 फरवरी और 1 मार्च को हैमिल्टन में होंगे। यह टी20 मुकाबले भी दोनों टीमों के बीच पहले आधिकारिक महिला टी20 मुकाबले होंगे। आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 चक्र में जिम्बाब्वे की टीम को कुल आठ श्रृंखलाएं खेलनी हैं–चार घर में और चार विदेश में। जिम्बाब्वे घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज, श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी, जबकि विदेशी दौरे भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के होंगे।

महिला विश्व कप 2029 की राह

यह चैंपियनशिप 2029 में होने वाले महिला वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मुख्य रास्ता है। 2025-29 का यह चक्र आईसीसी महिला चैंपियनशिप का चौथा संस्करण है। जिम्बाब्वे की इस प्रतियोगिता में एंट्री के बाद अब इसमें 11 टीमें हिस्सा ले रही हैं। अब तक जिम्बाब्वे महिला टीम ने छह टीमों के खिलाफ वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें से बांग्लादेश, आयरलैंड और पाकिस्तान आईसीसी के पूर्ण सदस्य हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने जताया गर्व

जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) के प्रबंध निदेशक गिवेमोर माकोनी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ३यह हमारे लिए गर्व और रोमांच का क्षण है कि जिम्बाब्वे महिला टीम अब वैश्विक स्तर पर शीर्ष क्रिकेट में कदम रख रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारी महिला क्रिकेट कितनी आगे बढ़ी है और यह हमारे विजन और निवेश की भी पुष्टि करता है।

अफगानिस्तान एकमात्र अपवाद

जिम्बाब्वे के शामिल होने के साथ ही महिला चैंपियनशिप में अब आईसीसी के 12 में से 11 पूर्ण सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं। केवल अफगानिस्तान इस प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं है, जहां अगस्त 2021 में तालिबान शासन के आने के बाद महिला क्रिकेट कार्यक्रम को बंद कर दिया गया था।

एफसी बार्सिलोना की कैंप नू में वापसी की तारीख तय, 10 अगस्त को होगा पहला मैच

एजेंसी

मैड्रिड : एफसी बार्सिलोना ने बुधवार को पुष्टि की कि क्लब दो वर्षों के लंबे इंतजार के बाद 10 अगस्त को अपने ऐतिहासिक स्टेडियम कैंप नू में वापसी करेगा। क्लब की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, बार्सिलोना पारंपरिक जोआन गैम्पर प्री-सीजन ओपनर इसी दिन कैंप नू में खेलेगा।

पिछले दो वर्षों से कैंप नू में व्यापक पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके कारण बार्सिलोना को अस्थायी रूप से लुईस कंपनी ओलंपिक स्टेडियम, मोंटजुइक में अपने घरेलू मुकाबले खेलने पड़े। हालांकि यह स्टेडियम प्रशंसकों के बीच ज्यादा लोकप्रिय नहीं रहा और लगभग 57,000 दर्शकों की क्षमता के बावजूद अक्सर खाली नजर आया। बार्सिलोना अब अपने पारंपरिक घर में लौट रहा है, हालांकि निर्माण कार्य अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। क्लब ने जानकारी दी कि, ३जिन हिस्सों पर अभी काम बाकी है उनमें शामिल हैं झ नया तीसरा स्टैंड, डबल वीआईपी रिंग, छत की स्थापना, कुछ आंतरिक हिस्सों की तैयारी और स्टेडियम के आसपास के क्षेत्र का

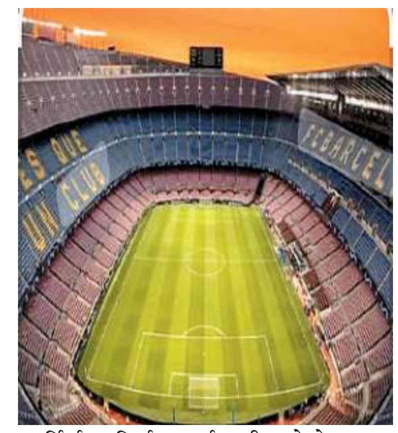

पुनर्निर्माण। निर्माण कार्य जारी रहने के कारण 10 अगस्त को स्टेडियम की क्षमता लगभग 60,000 दर्शकों की होगी, जो कि 99,354 की अंतिम क्षमता से काफी कम है, लेकिन फिर भी जोआन गैम्पर मैच के लिए पहले अनुमानित 25,000 दर्शकों से कहीं अधिक है। बार्सिलोना की यह वापसी न सिर्फ प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशी की बात है, बल्कि यह क्लब के नए युग की शुरूआत भी मानी जा रही है।

एसएस राजामौली की फिल्म में आर माधवन की एंट्री?

फेमस एक्टर आर माधवन एक हजार करोड़ की फिल्म में एंट्री करने जा रहे हैं! जी हां, वो एसएस राजामौली की SSMB29 में बड़ा रोल निभा सकते हैं। इसमें महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये एक जंगल-एक्शन एडवेंचर मूवी होगी।

बाहुबली और RRR जैसी सुपरहिट फिल्मों को देखने के बाद अब फैंस को एसएस राजामौली की अगली फिल्म का इंतजार है। वो महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ एक जंगल एडवेंचर बना रहे हैं। अब खबर आई है कि इसमें रहना है तेरे दिल में एक्टर आर माधवन की एंट्री हो गई है। एसएस राजामौली की आने वाली फिल्म SSMB29 के फैंस के लिए ये एक बड़ी खबर है। 3 इडियट्स जैसी हिट फिल्मों के लिए फेमस आर माधवन को इस 1,000 करोड़ रुपये की एपिक मूवी में दमदार रोल निभा सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये पहली बार होगा, जब राजामौली और माधवन साथ में काम करेंगे।

फिल्म के बारे में सबकुछ सीक्रेट

बात करें राजामौली की फिल्म की तो इसके बारे में सबकुछ काफी सीक्रेट रखा जा रहा है। इसमें एक्शन-एडवेंचर होगा। राजामौली ने 2024 में केन्या में एक लोकेशन भी देखा था, जहां फिल्म का कुछ हिस्सा फिल्माया जाएगा। इस फिल्म के संगीत की कमान एमएम कीरवानी के हाथों में है।

महेश को जापान लेकर जाएंगे राजामौली इससे पहले जापान में RRR की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान राजामौली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में एक छोटी लेकिन प्यारी सी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, उनका नाम महेश बाबू है, वे एक तेलुगु एक्टर हैं (लोग उन्हें खूब पसंद करते हैं)। ऐसा लगता है कि आप में से कई लोग उन्हें पहले से ही जानते हैं। वे बहुत हैंडसम हैं। उम्मीद है कि हम फिल्म को थोड़ा जल्दी खत्म कर लेंगे और रिलीज के दौरान मैं उन्हें यहां लाऊंगा और आपसे उनका परिचय करवाऊंगा। मुझे यकीन है कि आप भी उन्हें पसंद करेंगे।

कुटिंग्स यूनिवर्स में दर्शकों को पसंद आएगी मेरी कहानी

अभिनेत्री सना सुल्तान को एएलटीटी की नई वर्टिकल सीरीज कुटिंग्स के लिए चुना गया है। सना कुटिंग्स यूनिवर्स के एक एपिसोड 'आशिक अरबपति में नजर आएंगी। सीरीज के बारे में अपने विचार को व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि यह महिला के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं पर आधारित है। दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी। सीरीज के बारे में सना ने बताया, कुटिंग्स एक वर्टिकल ड्रामा सीरीज है। यह एक खूबसूरत फॉर्मेट है, जिसमें रोमांच, रहस्य, भावनाएं, प्यार, नफरत सब कुछ छोटे-छोटे एपिसोड में समाहित हैं।

फॉर्मेट के बारे में अपनी पसंद को जाहिर करते हुए उन्होंने बताया, मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इतने कम समय में बहुत कुछ अनुभव करने या सीखने को मिला। यह एक बहुत ही रोमांचक कॉन्सेप्ट है और मुझे विश्वास है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इससे जुड़ाव महसूस करेंगे। सना ने आगे बताया, मेरी कहानी में आप सब कुछ देख सकेंगे। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसके दो पक्ष हैं। वह एक तरफ तो नरम है, वहीं दूसरी ओर सख्त भी है। मैं यह कह सकती हूं कि मेरी कहानी बहुत ही शानदार और दर्शकों को पसंद आने वाली है और एक महिला के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को छूती है।

सना ने खुलासा किया कि जब उन्हें यह ऑफर हुआ तो उन्होंने बिना देरी किए झट से हां कह दिया था। उन्होंने बताया, खुद एक कंटेंट क्रिएटर होने के नाते मैं रील और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो के क्रेज को समझती हूं। इसलिए, मुझे इसकी खूबियों के बारे में अच्छी तरह से पता था। सना ने कहा, लोग इसे देखेंगे तो पसंद करेंगे। क्योंकि, इसकी क्वालिटी और स्टोरी दोनों बेजोड़ हैं। यह घर पर शूट किया गया एक रील नहीं, यह एक अच्छी तरह से निर्मित शो है, जो एक छोटे, वर्टिकल फॉर्मेट में एक फिल्म देखने जैसा अनुभव देगा।

फिल्म भूल चूक माफ रिलीज के विवाद का वामिका पर नहीं पड़ा फर्क

23 मई को सिनेमाघरों में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म भूल चूक माफ रिलीज हुई। रिलीज के वक्त फिल्म विवादों में आ गई। फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म को इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने से पहले डिजिटल रिलीज करने का फैसला किया था। हालांकि, मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआरआईनोक्स ने निर्माताओं के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया था। इसके बाद फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। बातचीत में वामिका ने इस बारे में बात की कि क्या उन्हें इस पूरे मामले से कोई फर्क पड़ा? इस पर वामिका गब्बी ने कहा इससे मुझ पर कोई असर नहीं पड़ा। मैंने जिंदगी में इतना कुछ देखा है कि इससे प्रभावित नहीं हुई! यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल था। मैं टूट सकती थी। मैं कई तरह की भावनाओं से गुजर सकती थी। लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि मैंने बहुत कुछ देखा है। यह मेरे हाथ में नहीं था।

कई बार चीजें मेरे हाथ में नहीं होतीं

वामिका गब्बी ने आगे बताया कि मुझे कई बार अस्वीकार किया गया। मैंने देखा है कि वादे किए गए और फिर उन्हें पूरा नहीं किया गया। मैंने अपना पूरा भरोसा उन प्रोजेक्ट्स में लगाया, जिनके बारे में मुझे लगा कि यह मेरे करियर या मेरी जिंदगी को बदल देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे समझ में आया कि यह मेरे हाथ में नहीं है। इन सबके बावजूद, मेरी तरक्की हो रही थी।

मेरे लिए अपनी बेटी को बड़े होते देखना सबसे खूबसूरत सिनेमा है

एक्टर अली फजल अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो... इन दिनों की रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने अपने सबसे खास सिनेमाई पलों को लेकर खुलासा किया और कहा कि उनके लिए सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी बेटी को बड़े होते हुए देखना है। इंटरव्यू के दौरानजब अली से सवाल पूछा, जिज्ञासा और अवलोकन, क्या आप इन्हें किसी कलाकार की असली पूंजी मानते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए अली फजल ने कहा, हां, मैं ऐसा मानता हूं। मैं हाल ही में पिता बना हूं और मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी 10 महीने की बेटी को बड़ा होते देखना है। इसमें वही दो बातें हैं, जो कलाकार के लिए जरूरी होती हैं, जिज्ञासा और अवलोकन। एक छोटे बच्चे में जो मासूमियत और अनजानापन होता है, वही उसे खास बनाता है।

रणबीर और रणवीर के बीच में है ईगो क्लैश? करण जौहर ने बताई पूरी सच्चाई

रणबीर कपूर और रणवीर सिंह बॉलीवुड के दो नए सुपरस्टार हैं। दोनों ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फैंस दोनों की ही फिल्मों का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। हालांकि, दोनों को लेकर तरह-तरह की खबरें भी सामने आती रहती हैं। बीच में इन दोनों स्टार्स के बीच में ईगो क्लैश की खबरें भी सामने आई थीं। अब निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने इन खबरों और दोनों के बीच ईगो की लड़ाई को लेकर असलियत बताई है।

दोनों के बीच में कोई ईगो नहीं

बॉलीवुड हंगामा के साथ अपनी हालिया बातचीत में करण जौहर ने रणबीर कपूर और रणवीर सिंह के बीत ईगो क्लैश को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने इस बारे सच्चाई बताते हुए कहा, 'हर कोई एक-दूसरे को बहुत समझता है। दोनों के बीच में कोई अहंकार नहीं है। यह सब उस नजर या लेंस से देखने का बहुत पुराना तरीका है। मैं नहीं देखता और मुझे यकीन है कि वे भी नहीं देखते हैं। मुझे नहीं लगता दोनों के बीच में किसी तरह का कोई ईगो है।'

दोनों एक-दूसरे के काम पर फीडबैक देते हैं

करण जौहर ने दोनों एक्टर्स के बीच एक-दूसरे को कॉम्प्लीमेंट देने और सलाह देने के समय को भी याद किया। निर्माता ने बताया कि कैसे दोनों ने एक-दूसरे की फिल्म के बाद उन्हें फीडबैक दिया। करण ने कहा, मुझे याद है कि 'ऐ दिल है मुश्किल' देखने के बाद रणवीर सिंह मेरे घर आए और मुझे फिल्म को लेकर अपना व्यू बताया ।जो कि वाकई में काफी कमाल था। फिर रणबीर ने मुझे 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' पर फीडबैक दिया। मुझे लगता है कि हम सभी किसी भी चीज से बढ़कर दोस्त हैं।

'रामायण' और 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे रणबीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों अपनी एपिक सागा फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में रणबीर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा रणबीर कपूर आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ लव एंड वॉर में भी नज़र आएंगे। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं।

'धुरंधर' में नजर आएंगे रणवीर सिंह

इसके अलावा अगर रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह एक्शन थ्रिलर 'डॉन 3' में भी नजर आएंगे। फिल्म की घोषणा 2023 में की गई थी, लेकिन अभी तक फ्लोर पर नहीं आई है।

दुनिया में भारत की पहचान बनाते हैं मुरादाबाद के कारीगरों के शिल्प : ओम बिरला

✔ लोकसभा अध्यक्ष ने नगर निगम मुरादाबाद के 15 करोड़ की लागत से तैयार संविधान साहित्य वाटिका का किया लोकार्पण

एजेंसी

मुरादाबाद : मुरादाबाद की धरती पीतल की धरती है। यहां के कारीगरों के शिल्प दुनिया में भारत की पहचान बनाते हैं। यह बातें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार रात्रि को मुरादाबाद के बुद्धि विहार में नगर निगम मुरादाबाद द्वारा करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से तैयार संविधान साहित्य वाटिका के लोकार्पण पर कही। उन्होंने लोकार्पण के उपरांत पूरे वाटिका का भ्रमण किया और भित्ति चित्रों एवं अन्य आकर्षक प्रतिमाओं का जायजा लिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आगे कहा कि आज मुरादाबाद की धरती के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस धरती पर बनी संविधान साहित्य वाटिका आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक होगी। भारत की संस्कृति, साहित्य और विरासत हम सब को आज भी प्रेरित करती है। मुरादाबाद के साहित्यकार, लेखक और विचारकों ने अपनी लेखनी, विचार और गीतों से देश और दुनिया को नया विचार देने का काम किया है। ओम बिरला ने कहा कि इस संविधान साहित्य वाटिका के माध्यम से लोकतंत्र के मूल्य और विचारों से आने वाली पीढ़ी प्रेरणा लेगी। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता हमारी ताकत है। दुनिया में यही विविधता हमारी सामर्थ्य बनी है। स्वतंत्रता के बाद हमने लोकतंत्र के विचारों को आत्मसात करके प्रगति की है। इस संविधान साहित्य वाटिका से आने वाली पीढ़ी को अपने कर्तव्यों और दायित्वों का बोध होगा। मुरादाबाद में यह वाटिका लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे संविधान के मूल सिद्धांतों को दशार्ता है। यह एक ऐसा स्थान है जो कला, इतिहास और नागरिक शिक्षा को एक साथ जोड़ता है। वाटिका के केंद्र में विशेष कलात्मक इंस्टॉलेशन (स्थापना) बनाए गए हैं जो संविधान के विकास की कहानी बताते हैं। भारत की प्राचीन दार्शनिक परंपराओं से लेकर आजादी के बाद संविधान के निर्माण तक इन कहानियों को पत्थरों पर उकेरे गए चित्रों और धातु की नक्काशी के माध्यम से दिखाया गया है, जिनमें स्थानीय शिल्पकला का उपयोग किया गया है। वाटिका के अलग-अलग हिस्सों में संविधान के चार स्तंभ, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को दशार्ने वाली मूर्तियाँ, भित्ति चित्र और उकेरे गए लेख लगाए गए हैं। यह वाटिका हर नागरिक को इन मूल्यों के गहरे अर्थों को समझने और आत्मसात करने के लिए प्रेरित करता है। वाटिका में संविधान निमार्ताओं को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा स्थापित हैं। इनके जीवन और योगदान को दशार्ने के लिए प्रतिमाएं, पट्टिकाएं और क्यूआर कोड के माध्यम से इंटरएक्टिव जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

प्रयागराज में मियावाकी पद्धति से जंगल तैयार करने के ?लिए 153 नए स्थानों का हुआ चयन

प्रयागराज : पर्यावरण संरक्षण करने के उद्देश्य से प्रयागराज जनपद में 153 ऐसे स्थानों का चयन किया गया है। जहां मियावाकी पद्धति से पौधरोपण करके जंगल तैयार किया जाएगा। यह जानकारी गुरुवार को उपायुक्त श्रम रोजगार डीसी मनरेगा गुलाब चन्द्र ने दी। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से प्रयागराज जनपद में कुल 36 लाख 29 हजार पौधरोपण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हालांकि इसके अतिरिक्त प्रयागराज में मियावाकी पद्धति से जंगल तैयार करने के लिए 153 नए स्थानों का चयन कर लिया गया है। जहां मियावाकी पद्धति से तैयार किए गए पौधे लगाकर जंगल तैयार किया जाएगा। हालांकि प्रयागराज में भारी संख्या में मियावाकी पद्धति से जंगल अबतक तैयार किए जा चुके है, जैसे फूलपुर इफको, केवट बान, जनपद के यमुनापार क्षेत्र बड़ी संख्या में इस तरह के जंगल तैयार हो चुके है। जहां विभिन्न प्रकार के पौधे अब तैयार हो चुकें है।

राजस्थान के 30 जिलों में आज बारिश का अलर्ट

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में मानसून ने जून माह के लिए निर्धारित वर्षा का कोटा तो पूरा कर लिया है, लेकिन प्रदेश में वर्षा का सिलसिला थमा नहीं है। मौसम विभाग ने गुरुवार को भी राज्य के 30 जिलों में बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। बुधवार को अजमेर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा संभाग के कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश दर्ज की गई, वहीं बांसवाड़ा जिले में बीते 24 घंटे में लगभग 8 इंच वर्षा हुई, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ।

चित्तौड़गढ़ में बुधवार शाम बड़ा हादसा हो गया, जब किले पर घूमने गए कुछ युवक अचानक बारिश से बचने के लिए एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे केसरपुरा निवासी 17 वर्षीय सूरज सिंह की मौके पर ही मौत हो गई और चार युवक झुलस गए। घायलों में बबलू शर्मा (23) निवासी आमली, पिंटू धाकड़ (15) निवासी मुरलिया, संजय वैष्णव (27) निवासी डेगरी खेड़ा और विपुल खटीक (19) निवासी सावा शामिल हैं। सभी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

इधर बूंदी जिले के नमाना क्षेत्र में तेज बहाव वाली घोड़ा पछाड़ नदी में एक महिला बह गई। बहते-बहते उसने एक चट्टान को पकड़ लिया। महिला को बचाने के लिए उसका भाई भी नदी में कूद गया और चट्टान तक पहुंचकर उसे थाम लिया। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों ने रस्सियों की मदद से करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। कोटा शहर में भी मानसून की सक्रियता के बीच कुछ युवकों ने कोटा बैराज में तेज बहाव के बीच जानलेवा स्टंट करते हुए वीडियो बनवाए, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। अजमेर के मसूदा में 77 मिमी, विजयनगर में 41 मिमी, नागौर के कुचामन सिटी में 26 मिमी, राजसमंद के भीम में 20 मिमी, पाली के मारवाड़ जंक्शन में 27 मिमी, बीकानेर के नोखा में 10 मिमी और श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ में 36 मिमी बारिश दर्ज की गई। राजधानी जयपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश हुई, जिसमें रामपुरा डाबड़ी में 17 मिमी, किशनगढ़-रेनवाल में 10 मिमी और पावटा में 22 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के अनुसार, 1 जून से 24 जून तक राजस्थान में सामान्य से 135 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। हालांकि पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, श्रीगंगानगर और बाड़मेर में बुधवार को दिनभर तेज धूप रही और गर्मी का असर बरकरार रहा।

बलरामपुर : राशन कार्डधारियों के लिए मुसीबत बना ओटीपी, राशन के बिना लौटना पड़ रहा

एजेंसी

बलरामपुर : छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राशन कार्ड में ओटीपी का आदेश जनता के लिए मुसीबत बन चुका है। इस आदेश से ग्रामीण अंचल हो या शहर सभी जगहों पर काफी समस्या उत्पन्न हो रही है। जहां नेटवर्क हमेशा धीमा चलता है अथवा लंबे समय तक गायब रहता है ऐसे में राशन दुकानदारों तथा राशन लेने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, न केवल गांव में बल्कि शहर में भी ओटीपी नंबर आने में एक दिन लग जा रहें हैं। लोग बोरा-थैला लिए दिन भर राशन दुकान के सामने बैठे रहते हैं। कई लोगों को तो चार दिन बाद राशन मिला है। यहां के राशन लेने वाले या बांटने वाले दोनों का कहना है की फिंगरप्रिंट वाला सिस्टम ही ठीक था जिसमें 150-200 ग्राहक को प्रतिदिन राशन मिल जाया करता था वहीं अब तो 10-15 को भी नही मिल पा रहा है। शासन द्वारा 1 जून से चावल उत्सव मनाया जा रहा है। इसके लिए विगत माह आदेश भी जारी किया गया है कि जून, जुलाई व अगस्त 3 माह का राशन एक साथ कार्ड धारियों को दिया जाएगा, लेकिन आदेश जारी करने के बाद नियम में बदलाव करने से अब अंगूठे से नहीं, बल्कि मोबाइल में ओटीपी आने से ही राशन मिलेगा। तीन माह के लिए छह बार ओटीपी आने पर ही हितग्राही राशन के हकदार होंगे। जगह का अभाव होने पर कई स्थानों पर तो तीन माह का राशन का भंडारण नहीं हुआ है। ऐसे में भला हितग्राहियों को एक साथ तीन माह का विक्रेता राशन कैसे देंगे। रामानुजगंज के राशन विक्रेता शबीर ने बताया कि, 19 जून से नया ई-पॉश मशीन हमलोगों को शासन की ओर से मिल गया है उसके बाद भी राशन वितरण करने में आसानी नही हो रही है, क्योंकि नेटवर्क समस्या ज्यादा है, सर्वर में बहुत दिक्कतें आ रही है। वर्तमान में जहां-जहां भी राशन वितरण शुरू किया गया है, वहां ओटीपी से ही राशन वितरण हो रहे हैं। ओटीपी से राशन वितरण करना विक्रेताओं के लिए व कार्डधारी के लिए चुनौती बन गया है। एक घंटे में बमुश्किल 2 लोगों को ही राशन वितरण कर पा रहे हैं। राशन डीलर के अनुसार, रामानुजगंज में लगभग 2100 कार्डधारी हैं, इसमे 235 लोगो को राशन वितरण किया जा सका है। ऐसे में आने वाले दो तीन माह में भी राशन वितरण नहीं किया जा सकेगा। ऐसी स्थिति सिर्फ शहर की ही नहीं है। आसपास गांव में भी गिने-चुने विक्रेताओं द्वारा राशन वितरण की प्रक्रिया शुरू तो की गई है, लेकिन प्रक्रिया जटिल होने पर गिनती भर के राशन कार्डधारियों को राशन दिया जा रहा है। अगर किसी को पूरा राशन मिल भी रहा है तो आधार से जुड़ा रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर पांच से छह बार की ओटीपी आने पर ही हितग्राहियों को राशन मिल पा रहा है। जो बिना मोबाइल लिए राशन लेने शासकीय उचित मूल्य की दुकान पहुंच रहे हैं, उनके लिए राशन लेना टेढ़ी खीर है। दरअसल, ओटीपी तो कई बार 5 मिनट में तो कई बार 10 मिनट में हितग्राहियों के मोबाइल में पहुंचता है। जिसकी वैधता 10 मिनट ओटीपी में लिखा जरूर आता है।

मप्र: मुख्यमंत्री निवासी भोपाल में आज लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन

एजेंसी

भोपाल : आपातकाल की 50 वर्ष पूरे होने पर मनाए जा रहे संविधान हत्या दिवस के अंतर्गत आज (गुरुवार को) भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास में पूर्वान्ह 11 बजे से प्रादेशिक लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश भर से लोकतंत्र सेनानी संघ के सदस्य सम्मेलन में शामिल होने के लिए भोपाल पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेशभर से आने वाले लोकतंत्र सेनानियों का स्वागत करेंगे। इस दौरान देश भक्ति गीत-संगीत की प्रस्तुति भी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश में लोकतंत्र की रक्षा में अनेक सेनानियों ने योगदान दिया है। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए राष्ट्रभक्त कारावास गए और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। आपातकाल लागू होने की 50वीं वर्षगांठ पर लोकतंत्र सेनानियों के स्वागत का सौभाग्य मिल रहा है। इस प्रादेशिक लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन में प्रदेशभर से आने वाले लोकतंत्र के रक्षकों का स्वागत और सम्मान किया जाएगा।

कामाख्या धाम में अंबुबासी की निवृति, नीलाचल पहाड़ पर दर्शन के लिए पहुंचे लाखों भक्त

एजेंसी

गुवाहाटी : कामाख्या धाम में 22 जून को प्रवृत्ति के साथ आरंभ अंबुबासी महायोग का आज सुबह निवृत्ति के साथ समापन हो गया। अंबुबासी महायोग के चलते 22 जून से बंद मंदिर के कपाट आज सुबह देवी के स्नान, विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोले गए। मंदिर के कपाट खुलते ही बड़ी संख्या में भक्तगण मां के दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मां के दर्शन के लिए बीती रात से ही भक्त कतारबद्ध थे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर कामाख्या धाम पहुंचे लोगों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। निवृति के दिन सुबह 4 बजे विशेष पूजा-अर्चना के साथ मंदिर प्रांगण और देवी को सुंदर तरीके से फूलों से सजाया गया। पूर्ण विश्राम के बाद मां कामाख्या की मूर्ति उज्ज्वल नव वस्त्र और फूलों से सजाई गई। मंदिर खुलने के साथ ही देश-विदेश से आए लाखों भक्त दर्शन के आस में कतार में लगे हुए हैं। इस बार अंबुबासी मेले के समय कामाख्या पर्वत और इसके आसपास के क्षेत्र के साथ-साथ पूरा गुवाहाटी शहर एक धार्मिक शहर में परिवर्तित हो गया था। दर्शन, पूजा-पाठ के अलावा मेले में साधु-संतों के धार्मिक संबोधन, पुण्य स्नान और विभिन्न लोक संस्कृतियों का प्रदर्शन आयोजित किया गया। ऐसी मान्यता है कि अंबुबासी के दौरान मां कामाख्या रजस्वला होती हैं। ऐसे में कामाख्या समेत राज्य के सभी मंदिरों के कपाट अंबुबासी महायोग की निवृत्ति तक पूरी तरह से बंद रहते हैं। पूजा-पाठ भी मंदिरों में नहीं होता है। महायोग की निवृत्ति के साथ ही मंदिरों में पूजा-पाठ आरंभ हो गया है। अंबुबासी महायोग मुख्य रूप से तंत्र साधकों के लिए बेहद महत्वूर्ण माना जाता है। अंबुबासी मेला में शामिल होने आए श्रद्धालु माता रानी का दर्शन कर आज सुबह से अपने घरों की ओर लौटने लगे हैं। मेले में भारत के विभिन्न हिस्सों के साथ ही पड़ोसी देश बांग्लादेश, नेपाल, भूटान आदि देशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

शेयर बाजार में फिलहाल तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का मामूली झटका भी लगा, लेकिन कुछ ही मिनट में खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी। इस लिवाली के सपोर्ट से शेयर बाजार की चाल में जबरदस्त तेजी का रुख बन गया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.66 प्रतिशत और निफ्टी 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। आज पूर्वाह्न 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से जियो फाइनेंशियल, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, भारती एयरटेल और ग्रासिम इंडस्ट्रीज के शेयर 2.04 प्रतिशत से लेकर 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, टेक महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, आयशर मोटर्स और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 1.27 प्रतिशत से लेकर 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,376 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,600 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 775 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 6 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 40 शेयर हरे निशान में और 10 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 127.41 अंक की मजबूती के साथ 82,882.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली के मामूली झटके से ये सूचकांक 82,816.26 अंक तक आया, लेकिन इसके तुरंत बाद बाजार में खरीदारी शुरू हो गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक की चाल में तेजी का रुख बन गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 549.04 अंक की बढ़त के साथ 83,304.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी आज 24.20 अंक उछल कर 25,268.95 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली के हल्के झटके के कारण ये सूचकांक फिसल कर 25,259.90 अंक तक आ गया। इसके बाद बाजार में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने कुलांचे भरना शुरू कर दिया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 173 अंक की मजबूती के साथ 25,417.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 700.40 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की मजबूती के साथ 82,755.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 200.40 अंक यानी 0.80 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,244.75 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

मनरेगा के काम में 50 लाख रुपये की अनियमितता का आरोप, नामखाना में हड़कंप

कोलकाता : दक्षिण 24 परगना के नामखाना ब्लॉक में मनरेगा यानी 100 दिनों के काम में करोड़ों की धांधली का मामला सामने आया है। वर्ष 2021-22 की परियोजनाओं के तहत दो भवन और एक कंक्रीट सड़क के निर्माण पर 50 लाख रुपये से अधिक की राशि खर्च दिखाई गई है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि न तो दोनों भवन मौजूद हैं और न ही सड़क की गुणवत्ता खर्च के अनुपात में है। स्थानीय लोगों और विपक्ष ने आरोप लगाया है कि निर्माण कार्य में शामिल ठेकेदार और उसकी पत्नी स्वयं मनरेगा जॉबकार्ड धारक हैं और उनके नाम पर मजदूरी की राशि भी निकाली गई है। दो साल बीतने के बावजूद प्रशासन द्वारा किसी तरह की जांच नहीं किए जाने पर लोगों में रोष है। केंद्रीय सरकार के पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, नामखाना बीडीओ कार्यालय परिसर में महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए एक भवन, खाद्यान्न भंडारण के लिए एक स्टोर हाउस और एक कंक्रीट सड़क के निर्माण पर 50 लाख रुपये से अधिक की राशि व्यय की गई है। लेकिन स्थानीय निवासी स्नेहाशिष गिरी का कहना है कि मौके पर इन परियोजनाओं का कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने इस संबंध में दक्षिण 24 परगना के जिलाधिकारी को लिखित शिकायत भी दी है, लेकिन अभी तक कोई जांच शुरू नहीं हुई है। भाजपा के मथुरापुर सांगठनिक जिला समिति के सदस्य शिवप्रसाद प्रामाणिक ने कहा, ₹यही कारण था कि केंद्र सरकार ने 100 दिनों के काम की योजना में फंड देना बंद किया था। अब जब योजना फिर से शुरू हुई है, तो भ्रष्टाचार भी शुरू हो गया है। इसमें प्रशासन से लेकर सत्तारूढ़ दल के नेता तक शामिल हैं। पूर्व पंचायत समिति अध्यक्ष कल्पना माली मंडल ने गुरुवार को दावा किया कि बीडीओ परिसर में इस तरह की कोई परियोजना उनके कार्यकाल में शुरू नहीं हुई थी। वहीं वर्तमान पंचायत समिति अध्यक्ष और तृणमूल नेता अभिषेक दास ने कहा, ₹यह देखना होगा कि बीडीओ कार्यालय परिसर में ऐसा कोई काम हुआ है या नहीं। बंगाल में केंद्र सरकार की उपेक्षा के कारण काम बंद पड़ा है। हो सकता है यह भ्रष्टाचार गुजरात में हुआ हो! ठेकेदार अशोक माली ने अपने ऊपर लगे आरोपों पर कहा कि मुझे जॉब कार्ड से संबंधित जानकारी नहीं है, लेकिन अब तक मुझे काम का भुगतान नहीं मिला है। नामखाना के बीडीओ अमित साउ ने कहा कि अगर शिकायत मिली है तो निश्चित रूप से जांच होगी। यह तीन साल पुरानी घटना है, मामले की गंभीरता से जांच करनी होगी।

सहायक आचार्य संवीक्षा परीक्षा- आरपीएससी ने जारी की 2 विशिष्टताओं में साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची

जयपुर : राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2021 के अंतर्गत ब्रॉड स्पेशियलिटी के पदों के तहत ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी के पदों के लिए 110 तथा ऑथोर्पेडिक्स के पदों के लिए 77 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए सफल घोषित किया गया है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी के पदों हेतु संवीक्षा परीक्षा का आयोजन 5 मई 2022 को किया गया था। परीक्षा अंतर्गत पात्रता जांच के लिए विचारित सूची 7 नवंबर 2024 को जारी की गई थी। इसी प्रकार ऑथोर्पेडिक्स के पदों के लिए संवीक्षा परीक्षा का आयोजन क्रमशः 6 मई 2022 को किया गया था। परीक्षा अंतर्गत पात्रता जांच के लिए विचारित सूची 18 नवंबर 2024 को जारी की गई थी। उक्त विषयों की विचारित सूची मैं सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच उपरांत अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु सफल घोषित किया गया है। साक्षात्कार की तिथि के सम्बन्ध में अभ्यर्थियों को यथा समय अवगत करवा दिया जाएगा।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और मुगल रोड़ यातायात के लिए खुला

जम्मू : जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और मुगल रोड़ गुरूवार को यातायात के लिए खुला है। आज छोटे वाहनों को राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ से जबकि बड़े वाहनों को केवल जम्मू से श्रीनगर की ओर रवाना किया जा रहा है। यातायात विभाग के अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के बावजूद जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोजाना की तरह जारी है। छोटे वाहनों को अपनी लेन में चलने की हिदायत दी गई है और किसी भी वाहन को तेज चलने या फिर ओवरटेक करने से बचने की सलाह दी गई है ताकि राजमार्ग पर जाम की स्थिति न उत्पन्न हो सके। इसी बीच छोटे वाहनों को जम्मू से श्रीनगर और श्रीनगर से जम्मू दोनों तरफ से रवाना किया जा रहा है जबकि बड़े वाहनों को केवल जम्मू से श्रीनगर की ओर जाने इजाजत दी गई है। विभाग ने यात्रियों से अपील की है कि वह अपनी यात्रा शुरू करने से पहले यातायात कंट्रील रूम से संपर्क करें ताकि बाद में उन्हें किसी परेशानी का सामना ना करना पड़े। इसी बीच राजौरी-पुंछ जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाला मुगल रोड़ भी वाहनों की आवाजाही के लिए खुला है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंकिमचंद्र चटर्जी को जन्मदिवस पर दी श्रद्धांजलि

कोलकाता : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चटर्जी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बंकिमचंद्र आधुनिक बंगाली साहित्य की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभा चुके हैं और उनकी रचनाएं आज भी लोगों को प्रेरणा देती हैं। मुख्यमंत्री ने एक संदेश में लिखा कि बंकिमचंद्र द्वारा रचित चरित्रों की गहराई, उनकी सोच की नवीनता और भाषा की शैली आज भी हमें लगातार प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय चेतना का एक अभिन्न अंग है और यह हमारा राष्ट्रीय गीत भी है। बंकिमचंद्र चटर्जी का जन्म 26 जून 1838 को हुआ था। उन्होंने 'आनंदमठ', 'कपालकुंडला', 'विषवृक्ष' जैसी ऐतिहासिक रचनाओं के जरिए बंगाली साहित्य को एक नई दिशा दी। उनका लिखा गीत 'वंदे मातरम्' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रवादी भावना का प्रतीक बन गया था।

मप्र: नशा मुक्त भारत अभियान का समापन समारोह आज भोपाल में

भोपाल : अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य निषेध एवं तस्करी रोकथाम दिवस के अवसर पर आज (गुरुवार को) नशा मुक्त भारत अभियान का राज्य स्तरीय समापन समारोह सामाजिक न्याय दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग संचालनालय स्थित सभागार में आयोजित किया जा रहा है। समारोह में मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी जाएगी। जनसम्पर्क अधिकारी अनिल वशिष्ठ ने बताया कि राज्यस्तरीय कार्यक्रम प्रातः 11 बजे से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा के मुख्य अतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। इसमें नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़े स्वयंसेवी संगठनो के प्रतिनिधि वालेंटियर और जनप्रतिनिधि सम्मिलित होंगे।

पलामू के नव पदस्थापित डीआईजी नौशाद आलम पूर्ण रूप से एक्शन मूड में

डीआईजी श्री आलम पुलिस की कार्यशैली और छवि को बेहतर बनाने में जुटे

बिनय मिश्रा

लंबित विभागीय कार्यवाहियों पर सख्त रुख, पखवाड़े में समीक्षा बैठक अनिवार्य अनुशासनहीनता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं, हर हाल में होगी जांचों की समयबद्ध समीक्षा मेदिनीनगर। पुलिस विभाग में वर्षों से लंबित पड़ी विभागीय जांचों और कार्यवाहियों को लेकर अब उच्च अधिकारी सख्त हो गए हैं। अपचारियों को समय पर आर्थिक लाभ, वित्तीय उन्नयन और प्रोन्नति से वंचित रखने वाली इस ढिलाई पर अब अंकुश लगाया जाएगा। इसी को लेकर पुलिस उप-महानिरीक्षक, पलामू प्रक्षेत्र नौशाद आलम ने सख्त आदेश जारी करते हुए कहा है कि

सभी जिला पुलिस मुख्यालयों और प्रतिष्ठानों में पखवाड़े में एक बार विभागीय कार्यवाहियों की समीक्षा बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए।

डीआईजी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब कोई भी विभागीय जांच अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखी जाएगी। बैठक में जांच संचालित कर रहे पदाधिकारी, संबंधित अपचारी और साक्षी की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। इसमें जांच की वर्तमान स्थिति, उसमें आ रहे व्यवधान और साक्ष्यों के अभाव को तत्काल दूर करने के उपाय किए जाएंगे।

आदेश में यह भी कहा गया है कि अपचारी को अपनी बात कहने का पूरा अवसर मिलेगा, लेकिन समयसीमा का उल्लंघन या टालमटोल अब किसी सूरत में स्वीकार्य नहीं होगा। जांचों में अनावश्यक देरी, लापरवाही या निष्क्रियता के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक के दौरान यदि कोई दस्तावेज, प्रति या साक्ष्य लंबित हो तो उसे भी तत्काल पूरा कराया जाएगा।

डीआईजी ने स्पष्ट किया है कि आदेश का अक्षरशः पालन अनिवार्य है। संबंधित पुलिस अधीक्षकों और वितंतु पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सभी पुलिस प्रतिष्ठानों को इस आदेश की जानकारी दें और पालन सुनिश्चित कराएं। अब कार्रवाई नहीं, तो लापरवाही पर सख्ती तय मानी जा रही है।

राजकुमार शुक्ल फाउंडेशन ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का किया अभिनंदन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में भारत सरकार के माननीय केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज सिंह जी का भव्य स्वागत राजकुमार शुक्ल फाउंडेशन की ओर से अध्यक्ष श्री अजय राय ने किया।इस गरिमामयी अवसर पर फाउंडेशन की टीम ने उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी राजकुमार शुक्ल पर आधारित पुस्तक भेंट की। साथ ही, पारंपरिक रूप से शाल एवं पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन एवं सम्मान किया ।

पुस्तक भेंट का मुख्य उद्देश्य था कि स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों की स्मृति को सशक्त बनाना और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को जन-जन तक पहुँचाना। केंद्रीय मंत्री श्री गिरिराज

सिंह ने फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना की और स्वतंत्रता सेनानी राजकुमार शुक्ल जी को नमन करते हुए कहा कि ऐसे योद्धाओं की स्मृति नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सदस्य डॉक्टर प्रदीप कुमार वर्मा का भी स्वागत किया गया।

हिंडालको कामगारों ने किया वार्षिक अधिवेशन का खुलकर विरोध

मेट्रो रेज संवाददाता

सिल्ली : हिंडालको मुरी के कई श्रमिक गणों ने बुधवार को निरस्त यूनियन द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन का खुलकर विरोध किया है.यह विरोध तब गया जब बुधवार को कंपनी में 3 मई 2017 से ही निरस्त वर्कर्स यूनियन ने वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया था. जिसमें अधिकांश मजदूर एकत्रित होकर इसका विरोध करने के लिए जा रहे थे कि कंपनी के निजी सिक्योरिटी गार्ड ने गेट पास की मांगते हुए अंदर जाने से रोक दिया. विरोध करने वाले मजदूरों का आरोप है कि मुरी एल्यूमिनियम फैक्ट्री वर्कर्स यूनियन रजिस्ट्रेशन नंबर 263 है जो 3 मई 2017 से ही निरस्त है बाबजूद वर्तमान में हिंडालको प्रबंधन के सह पर सारे नियमों को ताक में रखकर कुछ मजदूरों को डरा

धमका कर, मिठाई पैकेट का प्रलोभन देकर अवैध यूनियन के सहारे संचालित करने का साजिश जारी है. जिसका विरोध लगभग 3 साल से यहां के श्रमिकगण करते आ रहे हैं. पॉकेट यूनियन और कंपनी को मजदूरों का शोषण से कोई लेना देना नही है. मजदूरों के प्रति थोड़ी सी भी संवेदना होती तो मतदान के माध्यम से अवैध नहीं वैध यूनियन का चुनाव कराते. लेकिन ऐसा ना कर बर्ष 2017 से निरस्त यूनियन के सदस्यों का ही गेट पास निर्गत किया गया और फिर से एक बार अवैध यूनियन द्वारा कंपनी को संचालित करने मनगढ़ंत चाल रही है।

मजदूरों की मांग मतदान के माध्यम से हो वैध यूनियन का चुनाव

हिंडालको मुरी के मजदूरों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्रम मंत्री, सिल्ली विधायक अमित कुमार तथा श्रमायुक्त रांची से न्याय की गुहार लगाते हुए हिंडाल को मुरी में मतदान के माध्यम से वैध यूनियन का चुनाव कराने की मांग किया है ताकि मजदूरों को उसका हक अधिकार तथा उचित न्याय मिल सकें. विरोध करने वाले कामगारों में राघवन वी रघुनंदन शिवराज महतो मुकेश कुमार साहू दीपक महतो सदानंद सोनार शैलेंद्र महतो श्यामपदो विश्वकर्मा संजय पाल नजीर हुसैन मालू महतो नीतीश महतो संजय महतो महावीर महतो अशोक महतो नित्यानंद महतो अजय महतो तारकेश्वर महतो राजकिशोर महतो मोहित महतो बंशीधर महतो सूरज महतो मोजन महतो मनोज महतो आदि शामिल है।

सौहार्दपूर्ण वातावरण से सशक्त होता है समाज : अनिरुद्ध सिंह

मेट्रो रेज संवाददाता

बख्तियारपुर (पटना) : सामाजिक सशक्तिकरण के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण जरूरी है। सामाजिक समरसता से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच एकता और सहयोग बढ़ता है। उक्त बातें पटना जिलांतर्गत बख्तियारपुर प्रखंड के करनौती ग्राम निवासी प्रगतिशील किसान अनिरुद्ध सिंह (सरदार जी) ने कही। उन्होंने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सभी वर्गों के लोगों की सहभागिता आवश्यक है।

श्री सिंह ने कहा कि सौहार्दपूर्ण माहौल से समाज में शांति और सुरक्षा बनी रहती है, जिससे लोगों को अपने जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का भरोसा होता है।

सामाजिक सद्भावना बढ़ती है, जिससे लोग एक दूसरे के साथ सहयोग और सहानुभूति के साथ व्यवहार करते हैं।

उन्होंने कहा कि समाज में एकता, सहयोग, सामाजिक

न्याय, शांति, सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। इसलिए समाज के सभी समुदायों को मिलकर सामाजिक समरसता और सौहार्दपूर्ण माहौल के लिए सहभागिता निभाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि पहले गांवों में भाईचारगी और एकता दिखती थी, लेकिन गांवों का तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण ग्रामीण परिवेश में भी बदलाव हुआ है। गांवों के लोग शहरों में नौकरी और रोजगार की तलाश में चले जाते हैं, जिससे गांवों में एकता का माहौल कम होता जा रहा है।

आधुनिकीकरण और शहरीकरण के कारण लोगों की जीवनशैली में बदलाव हुआ है, जिससे पारंपरिक एकता और सामुदायिक भावना कम होती जा रही है।

गांव में आर्थिक असमानता बढ़ने से लोगों के बीच दूरी और मतभेद भी बढ़ने लगे हैं।

सामाजिक परिवर्तन जैसे कि शिक्षा, मीडिया और प्रौद्योगिकी के प्रभाव से लोगों के विचार और मूल्य बदल रहे हैं, जिससे सामाजिक एकता प्रभावित होती है।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक विभाजन और मतभेद गांव में एकता को कम करने के मुख्य कारक हैं।

वहीं, प्रशासनिक अक्षमता और बढ़ते भ्रष्टाचार से प्रशासनिक और सामाजिक ढांचे से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है।

गांवों से शहरों में प्रवास और प्रवृत्ति के कारण लोगों के बीच दूरियां बढ रही है। तकनीकी परिवर्तन जैसे कि मोबाइल और इंटरनेट के कारण लोगों के बीच संचार और एकता कम होती जा रही है।

इन कारणों को हमें गंभीरता से समझने की जरूरत है, तभी हम गांवों में एकता को बढ़ावा देने में सफल हो सकते हैं और स्वस्थ और समृद्ध समाज व राष्ट्र का सपना साकार हो सकता है।

चक्रधरपुर एन एच 75 की सड़क पर उभरे गड्ढे दुर्घटना को दे रहे हैं निमंत्रण

कमल केसरी : आवागमन का सुलभ साधन सड़क है इन मार्गो पर भारी भरकम राशि खर्च करने के पश्चात भी अगर चलने से दुर्घटना हो तो इसे विभागीय लापरवाही मानी जाएगी। राशि खर्च करने के पश्चात सड़क बेहतर और सुविधा युक्त मानी जाती है किन्तु सड़क पर चलना कठिनाई युक्त हो तो सड़क पर उभर आए गड्ढों में पानी का जमाव हो तो इस सड़क पर चलना दुर्घटना को निमंत्रण देना ही है। इस प्रकार से कहा जा सकता है कि एन एच 75 पर चलना दुर्घटना को निमंत्रण देने के समान है। इस स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि - नाम बडे. और दर्शन छोटे

माह के अंतिम गुरुवार को मां पौड़ी मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना और लगा भोग

बिनय मिश्रा : माँ पौड़ी मंदिर प्रांगण में आज अंतिम गुरुवार के दिन विशेष पूजा अर्चना के पश्चात भक्तजनों और श्रद्धालुओं के बीच माँ का भोग खीर, खिचड़ी और सब्जी वितरित किया गया। यूँ तो प्रत्येक गुरुवार को मां की पूजा अर्चना की जाती है किन्तु माह के अंतिम गुरुवार के दिन विशेष पूजा अर्चना के पश्चात भोग का वितरण किया जाता है। विदित हो कि सूदूर और ग्रामीण क्षेत्रों से भी भक्तजन और श्रद्धालु माँ पौड़ी की पूजा अर्चना के लिए मंदिर आते हैं।

निगम प्रशासक से मिला प्रतिनिधिमंडल

रांची : रांची नगर निगम के नव पदस्थापित प्रशासक से मिलकर वार्ड 26 के नागरिकों को हो रहे परेशानी जिसमें बुद्ध विहार एवं अशोक कुंज में जल जमाव हरमू से विद्यानगर को जोड़ने वाले रास्ते का खराब निर्माण के कारण हो रहे दुर्घटना एवं वार्ड 25- 26 में निर्मित 13 पार्कों के सफाई एवं दीवाल मरम्मत और रंगाई से संबंधित बातों पर ध्यान आकृष्ट कराया साथ में वार्ड 25 के पार्षद अर्जुन राम जी थे

विवेकानन्द शिशु विद्या मंदिर में सुलेख व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : वनवासी कल्याण केन्द्र की शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति झारखण्ड द्वारा संचालित विवेकानन्द शिशु/विद्या मंदिर उच्च विद्यालय लचरागढ़ में प्रांतीय निदेर्शानुसार विद्यालय में कक्षा द्वितीय से पंचम तक सुलेख प्रतियोगिता और कक्षा षष्ठ से दशम तक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सुलेख प्रतियोगिता में कक्षा द्वितीय से प्रथम स्थान भैया शिवानंद सिंह, द्वितीय भैया राजवीर नायक,तृतीय भैया रूपेश नायक, कक्षा तृतीय से प्रथम भैया अनुष नायक, द्वितीय भैया प्रतीक साहु, तृतीय बहन किरण कुमारी,कक्षा चतुर्थ से प्रथम बहन विशाखा कुमारी,द्वितीय बहन रेशमी कुमारी तृतीय भैया शेखर महतो,कक्षा पंचम ह्लअह्लसे प्रथम बहन मेघा कुमारी, द्वितीय बहन

लवली कुमारी तृतीय बहन आरती कुमारी,कक्षा पंचम ह्लबह्ल से प्रथम भैया जगरनाथ नायक, द्वितीय बहन हीरामुनि कुमारी, तृतीय बहन प्रीति कुमारी को स्थान मिला।निबंध प्रतियोगिता में कक्षा षष्ठ स प्रथम स्थान भैया विश्वकर्मा नायक द्वितीय स्थान बहन पूजा कुमारी, तृतीय बहन संतोषी कुमारी कक्षा सप्तम ह्लअह्ल से प्रथम स्थान बहन अनामिका कुमारी, द्वितीय स्थान भैया खिलेश्वर महतो, तृतीय स्थान बहन वर्षा कुमारी,कक्षा सप्तम ह्लबह्ल से प्रथम स्थान भैया शशिभूषण नाग, द्वितीय स्थान भैया चन्द्रपाल सिंह, तृतीय स्थान बहन उषा रानी सिंह,कक्षा अष्टम से प्रथम स्थान भैया सुभाष सिंह, द्वितीय स्थान भैया संजीव कुमार, तृतीय स्थान बहन सरस्वती कुमारी,कक्षा नवम से प्रथम स्थान बहन रेणु कुमारी, द्वितीय स्थान बहन संध्या कुमारी, तृतीय स्थान भैया नीलेश सिंह,कक्षा दशम से प्रथम स्थान बहन सुष्मिता कुमारी, द्वितीय स्थान बहन शिखा कुमारी, तृतीय स्थान भैया अमित लुगुन को प्राप्त हुआ।इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजेन्द्र साहू ने सुलेख और निबंध प्रतियोगिता के महत्व को बताया।

कोयलांचल विश्वविद्यालय में हो जनजातीय भाषा की पढ़ाई, खुले इसका विभाग : डॉ लंबोदर महतो

रांची: पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो ने राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर झारखंड की क्षेत्रीय तथा जनजातीय भाषा यथा कुरमाली, संथाली एवं खोरठा की पढ़ाई शुरू करने की मांग की है। उन्होंने राज्यपाल को इस बात से अवगत कराया है कि इस विश्वविद्यालय के 2017 में स्थापना के बाद अब तक कुरमाली, संथाली खोरठा जैसी जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई यहां के अंगीभूत महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर तक आरंभ नहीं की गई है सिर्फ कुछ संबद्ध (एफिलिएटेड) महाविद्यालय में इसकी पढ़ाई की सामान्य व्यवस्था है। दूसरी तरफ स्नातकोतर पर टीआरएल का विभाग तक खोला नहीं गया है। इस कारण यहां के बहुत से छात्र- छात्राएं एवं शोधार्थी स्नातकोत्तर की पढ़ाई आरंभ नहीं होने से परेशान है, मायूस है और भटक रहे हैं। विशेष कर यहां की छात्राओं को इन भाषाओं की पढ़ाई छोड़ने को विवश होना पड़ रहा है। उन्होंने राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में इस बात की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराया है कि राज्य के रांची विश्वविद्यालय, कोल्हान विश्वविद्यालय, नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय आदि में क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषा की पढ़ाई स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर तक हो रही है पर बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय इन भाषाओं के अध्ययन अध्यापन से दूर है। उन्होंने कहा है कि बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय की ओर से पूर्व में इसके लिए शिक्षा निदेशालय को सूचित किया जा चुका है साथ ही जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं की अध्यापन व्यवस्था शुरू करने एवं सुचारु रूप से संबंधित विषय में आवश्यकता अनुसार पद सृजित करते हुए पढ़ाई आरंभ करने के नियमित निवेदन किया जा चुका है किंतु अब तक इस आशय का कोई आदेश विश्वविद्यालय को प्राप्त नहीं हुआ है।

सिमडेगा जिला समन्वय समिति की बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा

मेट्रो रेज संवाददाता

सिमडेगा: उपायुक्त कंचन सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में जिला समन्वय समिति (विकास) की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले के विभिन्न विभागों जैसे ग्रामीण विकास, भवन निर्माण, स्वास्थ्य, पेयजल, आपूर्ति, कृषि, सहकारिता, समाजिक सुरक्षा, पशुपालन, कौशल विकास, राजस्व, शिक्षा, जल छाजन, परिवहन, खेल, नगर पंचायत, पंचायती राज समेत अन्य विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की गहन समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने भवन निर्माण विभाग के अंतर्गत चल रहे प्रखंड स्टेडियम एवं अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हों और निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने प्रथम स्तरीय स्टेडियम निर्माण में ब्लैक ईंट के उपयोग को लेकर प्रस्ताव की जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा।

स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य केंद्रों में प्राथमिकता के आधार पर विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत लाभार्थियों का भौतिक सत्यापन कर डिलिशन सूची समय पर भेजने पर जोर दिया।

आपदा प्रबंधन की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने बारिश से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की जानकारी ली। पुल-पुलिया की स्थिति की जांच कर रिपोर्ट समर्पित करने तथा क्षतिग्रस्त संरचनाओं पर चेतावनी बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। पशु और मानव क्षति की रिपोर्ट भी समय से उपलब्ध कराने की बात कही गई। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग एवं गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही किसी भी प्रकार के अवैध खनन पर रोक लगाने तथा एनजीटी के निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पर्यटन स्थलों के विकास हेतु पर्यटन संवर्धन समिति गठन की बात कही गई, जो साफ-सफाई और सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उपायुक्त ने चयनित गोताखोरों को भी समिति में शामिल करने का सुझाव दिया।

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को निर्देशित किया गया कि वर्ष 2010-11 में शौचालय निर्माण के लिए अग्रिम राशि की यूसी रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत बचे हुए घरों में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि समय पर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त हो सके। साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के लिए भी दिशा-निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि सभी उप स्वास्थ्य केंद्रों में मूलभूत सुविधाएं बहाल की जाएं और उन्हें आवागमन पथ से जोड़ा जाए। इसके लिए सर्वेक्षण कर प्रस्ताव भेजने को कहा गया।

आपूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए चावल, चना, धोती-साड़ी वितरण की योजनाओं की प्रगति देखी गई और समय पर राशन वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उप विकास आयुक्त श्री दीपांकर चौधरी ने ग्रामीण विकास शाखा की समीक्षा करते हुए मानव दिवस सृजन को बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर खेल योजना, दीदी बाड़ी जैसी योजनाओं को सक्रिय कर मानव दिवस सृजन को गति दें। बिरसा हरित ग्राम योजना के लक्ष्य की शत-प्रतिशत स्वीकृति की जानकारी दी गई और ढऊ जनरेट करने के निर्देश दिए गए।

एससी-एसटी महिलाओं की भागीदारी की समीक्षा करते हुए अबुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास योजना में महिला मजदूरों की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया। अबुआ आवास योजना की जियो टैगिंग को तेज करने और समय पर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और जिला स्तरीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का निर्देश दिया। जहां समन्वय की कमी है, वहां समय से तालमेल बनाकर कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में उप विकास आयुक्त श्री दीपांकर चौधरी, अपर समाहर्ता श्री ज्ञानेन्द्र, एलआरडीसी श्रीमती अरुणा कुमारी, परियोजना निदेशक आईटीडीए श्रीमती सरोज तिर्की समेत सभी जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।